

इस बीच, संसदीय चुनावों में अपने दोस्त बीबी के पक्ष में डोनाल्ड ट्रंप इजरायल से अपील करते रहे हैं। ट्रथ सोशल पर किए पोस्ट में उन्होंने नेतन्याहू को 'मजबूत, बहादुर और शानदार' नेता बताते हुए कहा कि ईरान के खिलाफ कार्रवाई में वह अमेरिका के मजबूत साझेदार रहे हैं।

छत्तीसगढ़ नगर में रामसीता लक्ष्मण की निकलेगी झांकी, तत्पश्चात होगा रावण का दहन

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ दशहरा मैदान में इस बार विशाल रावण दहन और भव्य आतिशबाजी किया जाएगा जिसमें सबसे पहले शाम 4 बजे से मर्यादा पुरुषोत्तम रामचन्द्र सीता माता और लक्ष्मण, हनुमान को घोड़े के बगंधी में बैठा कर राउत नाचा की टीम से साथ पूरा आस पास के नगर का भ्रमण कराया जाएगा जिसके स्वागत के लिए हर घर के सामने रंगोली और आरती उतार कर स्वागत कर आशीर्वाद लेंगे तत्पश्चात दशहरा मैदान में पूरी मंडली की टीम पहुंचने पर मंच में अहंकारी रावण का वध कैसे किया गया इसका मंचन ग्राम सोनपैरी के पुष्पांजलि मानस मंडली की टीम द्वारा किया जाएगा उसके बाद 45



फिट रावण,35 –35 फीट दहन आधुनिक इलेक्ट्रिक रिमोट कंट्रोल फटाको का कलकत्ता के आतिशबाजी कुंभकर्ण,मेघनाथ के विशाल पुतले का से किया जाएगा जिसमे गगन चुंबी शॉट टीम द्वारा दर्शकों को देखने मिलेगा

जिसमे झरना,जय राम,विशाल वृक्ष,पहाड़ जैसे आकृति के आतिशबाजी देखने को मिलेगी!!
रावण दहन के बाद छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच भूपेन्द्र साहू कृत रंग सरोवर की प्रस्तुति किया जाएगा जिसमे छत्तीसगढ़ी परम्परा को बढ़ावा देते हुए नाटक और संगीत के माध्यम से पूरा बारहमासी गीत की प्रस्तुति किया जाएगा!!
इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,अध्यक्षता रायपुर लोकसभा सांसद वृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी,प्रमोद दुबे,कुमार शंकर मेनन, सुशील सन्नी अग्रवाल,बद्री गुप्ता,निशा देवेन्द्र यादव सहित गणमान्य जनों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न होगा!

राज्यपाल डेका ने दी विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं



विश्व केसरी■
रायपुर। रमेन डेका ने विजयादशमी (दशहरा) पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रदेश के सुख और समृद्धि की कामना करते हुए लोग सत्य, सदाचार और अच्छाई के रास्ते पर चलते हैं, उनकी सदैव जीत प्रतीक है।
यह उत्सव हमें सीख देता है कि कठिनाइयों के बावजूद हमें अपने आदर्शों और मूल्यों के प्रति दृढ़ रहना चाहिए और समाज में सद्भाव, एकता और शांति के लिए अपना योगदान देना चाहिए। राज्यपाल डेका ने कहा कि जो लोग सत्य, सदाचार और अच्छाई के रास्ते पर चलते हैं, उनकी सदैव जीत होती है।

टायर फैक्ट्री में लगी आग, मची हड़कंप

भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया गया कन्या भोज का आयोजन

विश्व केसरी■
रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब टायर फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई।
टायर लीक होने से आग लगने की आशंका
दरअसल, उरला थाना इलाके में स्थित Porwal Tyre Products फैक्ट्री में यह आग लगी है। फैक्ट्री में मजदूर काम कर रहे थे। इसी वक्त फैक्ट्री में आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। आशंका जताई जा रही कि प्रोसेसिंग के समय टायर लीक होने से यह आग लगी। फिलहाल जांच जारी है। बताया जा रहा है कि उरला औद्योगिक क्षेत्र स्थित Porwal Tyre Products फैक्ट्री में दूसरी बार आग



लगने की घटना सामने आई है। करीब चार माह पहले आग से दो श्रमिक बुरी तरह झुलसे थे। बार-बार आग लगने की घटना के बाद फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था और मजदूरों की जान पर खतरे को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पहली घटना के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था में सुधार

विश्व केसरी■
रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आज कन्या पूजन व भोज का आयोजन किया गया। महिला मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नौ कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें भोज कराया गया और आशीर्वाद लिया गया।
इस अवसर पर भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कन्या पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। सिंह ने कहा कि नवरात्रि शक्ति की उपासना का पर्व है और हमारी संस्कृति में कन्याओं को देवी स्वरूप माना गया है। कन्या पूजन हमारी सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय,



राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सह कार्यालय मंत्री प्रीतिश गांधी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडे, डॉ. किरण बघेल, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री शीतल नायक, महापौर अंबिकापुर मंजूषा भगत, महिला आयोग अध्यक्ष ममता साहू, हेमलता चंद्राकर, मीरा पतकी संगीता शर्मा, पुष्पलता चौहान , मिली बैनर्जी, तिलेश्वरी धुरंधर, विद्या पांडेय, वंदना राठौड़, नीतू सिंह, प्रीति परगनिया, शीलू साहू, नीतू कोठारी सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

यंग इंडियंस रायपुर के दिव्योत्सव 4.0 में दिखी दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की झलक

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ यंग इंडियंस (Young Indians) रायपुर चैप्टर के एक्सेसिबिलिटी एवं सुगमता वर्टिकल द्वारा आयोजित दिव्योत्सव 4.0 समावेशिता, प्रतिभा और आत्मविश्वास का उत्सव बनकर सामने आया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना, उन्हें समान अवसर दिलाना और उनकी प्रतिभा को पूरे शहर में पहचान दिलाना है।
यंग इंडियंस रायपुर के चेयर पंकज सोमानी ने बताया कि दिव्योत्सव का यह चौथा संस्करण है। इस पहल के माध्यम से रायपुर के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें हर क्षेत्र में समान अवसर एवं सम्मान दिलाने और उनकी क्षमताओं को पहचान दिलाने का प्रयास किया जा



रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम में रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने यंग इंडियंस की पहल की सराहना करते हुए दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और सुगम्यता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकारी योजनाओं, उपलब्ध सुविधाओं और दिव्यांगजनों के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी साझा की।
प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का मंच
दिव्योत्सव 4.0 में 350 से अधिक बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों, खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रैंप वॉक में भाग लिया। कोपलवानी गवर्नमेंट ब्लाइंड स्कूल, अर्पण दिव्यांग स्कूल, प्रेरणा

ब्लाइंड स्कूल और आकांक्षा स्कूल सहित विभिन्न संस्थानों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल भी लगाए गए, जिससे उन्हें अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला।
इलेक्ट्रिक कन्वर्टिबल व्हीलचेयर का वितरण
कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण पांच दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक कन्वर्टिबल व्हीलचेयर प्रदान करना रहा। मुख्य अतिथि डॉ. गौरव कुमार सिंह ने महेश्वर पटले, कुलदीप मिंज, आनंद कुमार साहू, पिंदू राम साहू और विभीषण कुमार निषाद को व्हीलचेयर प्रदान कीं। यह पहल उनकी गतिशीलता, स्वतंत्रता और दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रायपुर मंडल ने किया सांस्कृतिक प्रतियोगिता ‘ गंग - तरंग 2.0 ’ का आयोजन



विश्व केसरी■
रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा रेलवे कर्मचारी एवं उनके आश्रितों की सांस्कृतिक प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से अंतरा मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता ‘गंग - तरंग 2.0’ के अंतर्गत शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, लोक गायन, सुगम गायन, अतिथि महोदय ने सभी रेल कर्मचारियों फिल्मी गायन प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे इंस्टिट्यूट खारून रेल विहार, रेलवे कॉलोनी रायपुर तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सामूदायिक भवन डबल्यु

आर.एस. कॉलोनी रायपुर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जगराम मीना मुख्य लॉ अधिकारी, रायपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि महोदय ने सभी रेल कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने हेतु प्रेरित कर सभी प्रतियोगियों को अपनी शुभकामनाएं दी। विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं में

कुल 85 कलाकारों ने अपनी भागीदारी दी। जहाँ एक ओर शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, के कलाकारों ने अपनी प्रतिभाओं से सभी को अतर्पित मोहित किया तथा वहीं दूसरी ओर लोक गायन, सुगम गायन, फिल्मी गायन की प्रतियोगिता में कलाकारों की गायिकी ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को और अधिक रोचक बना दिया तथा चित्रकला प्रतियोगिता में कलाकारों ने अपने मन के भाव को कागज पर बहुत ही खूबसूरती से उकेरा।
समापन समारोह में उक्त प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया साथ ही सभी प्रतियोगियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उपरोक्त प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं मार्गदर्शन में राहुल गर्ग, वरि.मंडल कार्मिक अधिकारी , रायपुर की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

भिलाई स्टील प्लांट के निजीकरण का कांग्रेस फैला रही भ्रम, कर्मचारियों को डराने की जरूरत नहीं : भाजपा



विश्व केसरी■
रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला। वर्मा ने कहा कि कांग्रेस लगातार हार के डर और हताशा के चलते पहले संवैधानिक संस्थाओं और अब देश के प्रमुख आर्थिक संस्थानों पर अनर्गल आरोप

लागाकर भ्रम फैलाने का काम कर रही है। भाजपा सांसद वर्मा ने स्पष्ट किया कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और भिलाई इस्पात संयंत्र के निजीकरण की केंद्र में उपस्थित कोई नीति या मंशा नहीं है। सेल प्रबंधन की ओर से भी इस बात का स्पष्टीकरण आ चुका है। बीएसपी कर्मचारियों और उनके परिवारों को आश्वस्त करते हुए वर्मा ने कहा कि वे किसी भी तरह के भ्रम या भय में न आएँ। बीएसपी

छत्तीसगढ़ का गौरव और पहचान है तथा मिनी भारत का स्वरूप प्रस्तुत करता है। कर्मचारियों के हितों और उनकी सुविधाओं के साथ कोई समझौता नहीं होगा।

भाजपा सांसद वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सोशल मीडिया व बयानों के जरिए बीएसपी को लेकर उठाए गए सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि भिलाई में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए कांग्रेस यह भ्रामक दुष्प्रचार कर रही है।

गरबा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक : सीएम साय

विश्व केसरी■
रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों और दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मां आदिशक्ति से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नवरात्रि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का महापर्व होने के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के



समाज को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के सूत्र में जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री साय ने माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तथा सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों के कल्याण और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति का आशीर्वाद मांगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री साय हुकुम ललित महल में पूज्य अतिथि महोदय ने सभी रेल कर्मचारियों और उनके आश्रितों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने हेतु प्रेरित कर सभी प्रतियोगियों को अपनी शुभकामनाएं दी। विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं में

आयोजित रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मंगलम लॉन में दश सोरठिया वाणिज्य समाज द्वारा आयोजित ‘सोरठी रंग रंगीलो’ नवरात्रि उत्सव तथा शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा आयोजित ‘संकल्प गरबा’ में शामिल हुए। विभिन्न आयोजनों में समाजजनों और श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज पूरे देश और छत्तीसगढ़ में भक्ति, आस्था और उल्लास का वातावरण है। गरबा मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति को अभिव्यक्त करने का सुंदर माध्यम है। गुजरात की सांस्कृतिक परंपरा से निकला गरबा आज पूरे देश में

लोकप्रिय होकर हमारी सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में निहित एकता है। हमारे पर्व और उत्सव अलग-अलग समाजों, समुदायों और पीढ़ियों को एक साथ जोड़ते हैं तथा अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।
नवरात्रि मातृशक्ति के सम्मान और सामर्थ्य का पर्व
मुख्यमंत्री साय ने गरबा आयोजनों में बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं, बहनों और बेटियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी की सदैव शक्ति का स्वरूप माना गया है। नवरात्रि हमें मातृशक्ति के सम्मान, उनकी गरिमा और समाज निर्माण में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण कराती है।

नवाखाई पर्व : नई फसल, प्रकृति और पूर्वजों के प्रति आस्था का प्रतीक

ध्रुव गोंड समाज, ग्राम डांगनबाय में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया नवाखाई पर्व

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह निषाद)। छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति में नवाखाई पर्व का विशेष धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है। यह पर्व नई फसल के स्वागत, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, देवी-देवताओं की आराधना तथा परिवार और समाज की एकता का प्रतीक है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए ग्राम डांगनबाय, छुरा के ध्रुव गोंड समाज द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ नवाखाई पर्व मनाया जाता है।

पारंपरिक वेशभूषा और जयघोष के साथ आराध्य देवी के दरबार पहुंचे समाजजन
नवाखाई पर्व के अवसर पर समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा धारण करते हैं। सफेद धोती, बंगाली वस्त्र, पैजामा, सफेद परिधान, सतरंगी पगड़ी और गमछा धारण कर समाजजन अपनी सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करते हैं। सर्वप्रथम घर में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है और तिलक लगाकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं। इसके पश्चात खड़ादेव को साथ लेकर परिधान, सतरंगी पगड़ी और गमछा धारण कर समाजजन अपनी सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करते हैं।

सर्वप्रथम घर में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है और तिलक लगाकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं। इसके पश्चात खड़ादेव को साथ लेकर परिधान, सतरंगी पगड़ी और गमछा धारण कर समाजजन अपनी सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करते हैं।

सर्वप्रथम घर में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है और तिलक लगाकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं। इसके पश्चात खड़ादेव को साथ लेकर परिधान, सतरंगी पगड़ी और गमछा धारण कर समाजजन अपनी सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करते हैं।

सेल्समैन के भरोसे दुकान, निगरानी कौन कर रहा ?
स्थानीय शिकायतों के अनुसार, अंग्रेजी शराब दुकान का संचालन सुपरवाइजर के बिना किया जा रहा



मां शीतला माता के दरबार की ओर प्रस्थान करते हैं। इस दौरान पारंपरिक जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। समाजजन ‘बड़ादेव की जय, छत्रपति बुढ़ादेव की जय, आदिशक्ति मां शीतला माता की जय’ के उद्घोष के साथ अपनी आस्था प्रकट करते हैं।

मां शीतला माता के दरबार में विधि-विधान से पूजा-अर्चना
मां शीतला माता के दरबार में पहुंचकर दूध, दूबी, दही, श्रीफल, ध्वज, नींबू, फूल एवं पत्तों से पूजा-अर्चना और श्रृंगार किया जाता है। समाजजन अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना करते हुए आराध्य देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा अर्पित

करते हैं। इसके पश्चात साजा वृक्ष के नीचे सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। नई धान की बालियों को अर्पित कर अच्छी फसल, प्रकृति की कृपा और समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना की जाती है।

साजा वृक्ष के नीचे नवाखाई प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा
नवाखाई पर्व का सबसे महत्वपूर्ण और भावनात्मक क्षण तब आता है, जब समाज के सभी लोग साजा वृक्ष के नीचे एक साथ बैठकर नए धान और चिवड़ा का नवाखाई प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह परंपरा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ सामूहिकता, भाईचारे और सामाजिक

समरसता का संदेश देती है। इस अवसर पर छोटे-बड़े सभी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। समाज के छोटे सदस्य अपने बड़े भाइयों, माता-पिता और बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। यह परंपरा नई पीढ़ी को संस्कार, अनुशासन, विनम्रता और बड़ों के प्रति आदरभाव की सीख देती है।

घर वापसी पर महिलाओं द्वारा स्वागत और आरती
मां शीतला माता के दरबार में पूजा-अर्चना संपन्न करने के बाद समाजजन पुनः अपने घर लौटते हैं। घर के प्रवेश द्वार पर महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सभी का स्वागत करती हैं। पैर धोकर, चरण स्पर्श कर तथा पूजा-अर्चना और आरती के माध्यम से परिवार के सदस्यों के प्रति सम्मान एवं मंगलकामना व्यक्त की जाती है। इसके बाद घर में पुनः देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। श्रीफल फोड़कर आरती संपन्न की जाती है। तत्पश्चात परिवार के सभी सदस्य एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस प्रकार नवाखाई पर्व परिवार में प्रेम, अपनत्व और एकजुटता को मजबूत करने का संदेश देता है।

अंतागढ़ में अंग्रेजी शराब दुकान वालों की मनमानी!

विश्व केसरी■
अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंग्रेजी शराब दुकान की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्र में सवाल उठने लगे हैं। बिना सुपरवाइजर दुकान संचालन, उपभोक्ताओं को रसीद नहीं मिलने, निर्धारित कीमत से अधिक वसूली की आशंका और शराब की गुणवत्ता को लेकर मिल रही शिकायतों ने आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, आमाबेड़ा, कोयलीबेड़ा और रावघाट क्षेत्र में कथित अवैध शराब बिक्री को लेकर भी कार्रवाई की मांग उठ रही है।



है और व्यवस्था मुख्य रूप से सेल्समैन के भरोसे चल रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि दुकान में बिक्री, स्टॉक, निर्धारित मूल्य और उपभोक्ताओं की शिकायतों की निगरानी आखिर कौन कर रहा है? विभाग को इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

रसीद नहीं मिलने से ओवररेटिंग की आशंका
उपभोक्ताओं की शिकायत है कि शराब खरीदने के बाद उन्हें नियमित रूप से रसीद नहीं दी

की गुणवत्ता को लेकर भी उपभोक्ताओं की नाराजगी सामने आ रही है। शराब में मिलावट की आशंका जताए जाने के बाद मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। विभाग को संबंधित शिकायतों की जांच कर आवश्यकतानुसार शराब के नमूने प्रयोगशाला भेजने चाहिए, ताकि गुणवत्ता को लेकर वास्तविक स्थिति सामने आ सके।
अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई का इंतजार
आमाबेड़ा, कोयलीबेड़ा, रावघाट और आसपास के क्षेत्रों में कथित अवैध शराब बिक्री तथा कोचियों की सक्रियता को लेकर भी शिकायतें सामने आ रही हैं। इन शिकायतों के बीच आबकारी विभाग की निगरानी और कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

वेदांता पावर ने सिंधितराई में नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया

विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)। वेदांता पावर सक्ति थर्मल पावर प्लांट ने अपनी सामुदायिक स्वास्थ्य पहल ‘प्रोजेक्ट आरोग्य’ के तहत छत्तीसगढ़ के सिंधितराई में नि:शुल्क कैंसर जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया। इस पहल के माध्यम से सिंधितराई, निमोही और ओडेकेरा ग्राम पंचायतों के लोगों को कैंसर की जाँच और विशेषज्ञों से परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।



आम बालको मेडिकल सेंटर, नवा रायपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 80 से अधिक लोगों की स्तन, सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा)

कसडोल (प्रवीण होमने)। अविभाजित मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं सारंगढ़ लोकसभा क्षेत्र से लगातार छह बार सांसद रहे परस भारद्वाज की पुण्यतिथि पर कसडोल क्षेत्र के युवा कार्यकर्ताओं ने उनके निज निवास खरीद पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय भारद्वाज के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में परस भारद्वाज के पुत्र रवि परसराम भारद्वाज, प्रदेश प्रतिनिधि एवं लोकसभा प्रत्याशी, तथा संजय भारद्वाज और रोमा भारद्वाज प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर कसडोल विधानसभा क्षेत्र के युवा कार्यकर्ताओं में चंद्र यादव (आईटी सेल एवं



नैस्सर की शुरुआती पहचान को बढ़ावा देना और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के गंभीर होने से पहले चिकित्सकीय मूल्यांकन की आवश्यकता है। डॉक्टरों की सलाह अनुसार, इन व्यक्तियों को आगे की जाँच और उपचार में सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य

डॉ. एल.एस. ध्रुव तीसरी बार जिला संयोजक बने



विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। डॉ. एल एस ध्रुव तीसरी बार जिला संयोजक बलौदाबाजार छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन प्रांत के आदेश अनुसार आज बलौदा बाजार में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला शाखा बलौदा बाजार का जिला संयोजक बन गया संयोजक के लिए 21 जिला अध्यक्षों द्वारा चुनाव किया गया दो प्रत्याशी जिला संयोजक के लिए

नीराबाई साहू का निधन

राजिम। नगर के वरिष्ठ नागरिक नीराबाई साहू (लगभग 80 वर्ष) का रविवार, 18 अक्टूबर 2026 को निधन हो गया। उनके निधन से परिवार, स्वजन एवं समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे मनोज साहू की माताजी, लोकेश साहू एवं देवेन्द्र साहू की दादी तथा साहू समाज राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू की बड़ी मां थीं। उनका अंतिम संस्कार राजिम नगर के मुक्तिधाम में किया गया, जिसमें परिवारजनों एवं समाज के लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दिवंगत आत्मा की शांति एवं मोक्ष की कामना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई।

अनुमति एक प्रजाति की, कट गए कई प्रजातियों के पेड़

पारागांव में निजी, सरकारी जमीन पर कटाई को लेकर उठे गंभीर सवाल

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। ग्राम पंचायत पारागांव स्थित हनुमान एग्रो परिसर में निजी एवं सरकारी जमीन पर लगे पेड़ों की कटाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि पेड़ों की कटाई के लिए सीमित प्रजातियों की अनुमति ली गई, लेकिन मौके पर अन्य प्रजातियों के वृक्षों को भी काट दिया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या पेड़ों की कटाई निर्धारित अनुमति और नियमों के दायरे में की गई?



जानकारी के अनुसार, संबंधित परिसर में 75 सागौन और 700 नीलगिरी के पेड़ों की कटाई की अनुमति लेकर कार्य किए जाने की बात सामने आई है। लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है कि अनुमति में उल्लेखित प्रजातियों के अलावा दूसरे प्रजातियों के पेड़ों की भी कटाई की गई है। यदि यह आरोप सही है, तो मामले में अनुमति की शर्तों और संबंधित नियमों के पालन की जांच आवश्यक हो जाती है।

शिकायत के बाद भी कार्रवाई पर संशय – इस मामले में शिकायतकर्ता द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अभनपुर को

लिखित शिकायत सौंपे जाने की जानकारी सामने आई है। इसके बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से किसी ठोस कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। मामले की जानकारी लेने पर अनुमति के आधार पर पेड़ों की कटाई किए जाने की बात कहकर जिम्मेदारी से बचने का आरोप भी लगाया गया है।

अनुमति के नाम पर क्या नियमों की अनदेखी हुई?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कटाई के दौरान वन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के लागू

नियमों का पालन किया गया? क्या निजी और सरकारी जमीन पर मौजूद सभी पेड़ों की कटाई के लिए आवश्यक अनुमति ली गई थी? यदि अनुमति केवल कुछ प्रजातियों के लिए थी, तो अन्य वृक्षों की कटाई किस आधार पर की गई? अब प्रशासन को स्पष्ट करना होगा कि पेड़ों की कटाई नियमानुसार हुई या अनुमति की आड़ में नियमों की अनदेखी की गई। मामले की निष्पक्ष जांच, अनुमति संबंधी दस्तावेजों के सत्यापन और मौके पर कटे पेड़ों की प्रजातिवार गणना से ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने सांसद व विधायक के नाम सौंपा ज्ञापन 27% आरक्षण और जातिगत जनगणना सहित रखीं प्रमुख मांगें

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज द्वारा अपनी विभिन्न न्यायसंगत मांगों को लेकर कांकेर सांसद भोजराज नाग एवं अंतागढ़ विधायक के नाम ज्ञापन सौंपा गया। सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ब्लॉक इकाई अंतागढ़ के पदाधिकारियों ने यह ज्ञापन सांसद प्रतिनिधि और विधायक प्रतिनिधि को सौंपकर शीघ्र उचित पहल करने का आग्रह किया।

ज्ञापन के माध्यम से समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आबादी लगभग 52 प्रतिशत से अधिक है। इसके बावजूद त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व



प्रभावित होने तथा आगामी राष्ट्रीय जनगणना में स्पष्ट प्रावधान न होने से समाज में अत्यधिक आक्रोश एवं चिंता व्याप्त है। समाज का कहना है कि संवैधानिक अधिकारों और उचित प्रतिनिधित्व से वंचित होने के कारण वर्ग स्वयं को असहाय महसूस कर रहा है।

ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगें: 27 प्रतिशत आरक्षण; केंद्र

कॉलम निर्धारित कर जातिगत जनगणना कराई जाए।
संवैधानिक एवं प्रशासनिक संरक्षण: पांचवीं अनुसूची के तहत मिलने वाली सस्तर मूलभूत सुविधाएं अन्य पिछड़ा वर्ग समाज को भी उपलब्ध कराई जाएं।
बस्तर संभाग में निवासरत पिछड़ा वर्ग समाज के लोग यहां के मूल निवासी हैं और उनका रहन-सहन, संस्कृति, परंपराएं आदि स्थानीय आदिवासियों से मिलती-जुलती हैं। अपनी संस्कृति, परंपरा व जमीन की रक्षा करना उनका भी दायित्व है।
अने: पेटसा कानून (PESA Act) में शामिल जातियों की श्रेणी में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज को भी शामिल कर स्वशासन का अधिकार प्रदान किया जाए।

नहर के सर्विस लाइन पर भारी वाहनों का आवाजाही

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। महानदी मुख्य नहर के सर्विस बैंक पर भारी वाहनों (हाइवा) के संचालन से नहर तट की सुरक्षा को संभावित खतरा से इनकार नहीं किया जा सकता। विभाग के अधिकारियों द्वारा मौके स्थल निरीक्षण के दौरान पाया कि मुख्य नहर के तट पर भारी वाहनों का आवाजाही लगातार जारी है, अधिकारियों द्वारा वाहन चालकों को समझाए दिए जाने के बावजूद भारी वाहनों का आवाजाही जारी रखा है।



गौरतलब है कि वर्तमान में खरीफ सिंचाई के अंतर्गत महानदी मुख्य नहर में भारी मात्रा में पानी का प्रवाह जारी है।ऐसी

स्थिति में नहर के सर्विस बैंक पर भारी वाहनों का आवागमन अत्यंत जोखिमपूर्ण हो सकता है। इन भारी वाहनों के टायरों से

सर्विस बैंक पर गहरे निशान पड़ रहे हैं तथा बैंक का क्षरण हो रहा है। इससे न केवल नहर तट की सुरक्षा प्रभावित हो रही है, बल्कि विभागीय अमले को खरीफ सिंचाई के दौरान नियमित गश्त-सर्चिंग करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे गंभीर चिंता का विषय यह है कि यदि नहर के सर्विस बैंक को क्षति पहुंचने के कारण किसी प्रकार की टूट-फूट या कटाव की स्थिति निर्मित होती है, तो अत्यधिक जल प्रवाह के कारण आसपास के ग्रामों में बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इससे जन-धन एवं कृषि भूमि को भारी नुकसान होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

उल्लेखनीय है कि संबंधित ठेकेदार का कैंप ग्राम कोंडापार में महानदी मुख्य नहर (एमएमसी) के ठीक बगल में स्थित है।यह विषय किसी व्यक्ति विशेष का नहीं,बल्कि नहर की सुरक्षा,खरीफ सिंचाई व्यवस्था तथा आसपास के ग्रामों के नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा जनहित का विषय है।

बगबुड़ा में हर्षोल्लास के साथ हुआ मां दुर्गा का विसर्जन



विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। जिले के ग्राम बगबुड़ा में नवरात्रि पर्व के समापन पर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के जयकारे लगाए और अगले वर्ष फिर से आगमन की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी। विसर्जन के दौरान गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालु मां दुर्गा की भक्ति में लीन होकर विदाई यात्रा में

शामिल हुए। ‘जय माता दी’ और ‘अगले बरस तू जल्दी आना’ के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। नवरात्रि के नौ दिनों तक पूजा-अर्चना और भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से गांव एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के साथ ही नवरात्रि पर्व का समापन हुआ। भक्तों ने अगले वर्ष मां दुर्गा के पुनः आगमन की प्रतीक्षा और श्रद्धा के साथ उन्हें विदाई दी।

संपादकीय

राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ संघ की शताब्दी यात्रा



आचार्य ललित मुनि

किसी भी राष्ट्र के जीवन में एक सदी का कालखंड केवल समय का एक पड़ाव नहीं होता, बल्कि वह उस समाज के सामूहिक संस्कारों, वैचारिक दृढ़ता और निरंतर तपस्या का जीवंत दस्तावेज होता है। वर्ष 1925 की विजयादशमी के पावन दिन नागपुर की धरती पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया बीज आज सौ वर्षों की लंबी और देदीयमान यात्रा पूरी कर चुका है।

आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर चुका है। यह यात्रा केवल एक संगठन के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे सांस्कृतिक संकल्प का इतिहास है जिसने करोड़ों दिलों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को प्रज्वलित किया है।

जब संघ की स्थापना हुई थी, तब देश विदेशी शासन की परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और समाज विभिन्न कुप्रथाओं, जातियों और संकीर्णताओं में बंटा हुआ था। ऐसे नाजुक दौर में डॉ. हेडगेवार ने यह गहराई से महसूस किया कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से समाज की वास्तविक मुक्ति संभव नहीं है। जब तक देश का नागरिक मानसिक रूप से सशक्त, अनुशासित और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत नहीं होगा, तब तक स्वतंत्रता सुरक्षित नहीं रह सकती।

यहीं से 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' का वह मौलिक विचार जन्मा, जिसने संघ की पूरी कार्यपद्धति को गढ़ा। नागपुर की एक छोटी सी शाखा से शुरू हुआ यह सफर आज दुनिया के सबसे बड़ा सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन बन चुका है। शाखा का वह मैदान कोई साधारण खेल का मैदान नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रयोगशाला है जहाँ 'मैं से हम' की यात्रा तय होती है। वहाँ न कोई छोटा होता है, न बड़ा; सब भावा ध्वज के समक्ष समान भाव से खड़े होकर देश के लिए समर्पण का संकल्प लेते हैं।

संघ की सौ साल की यह यात्रा इस बात की साक्षी है कि जब भी देश पर कोई प्राकृतिक आपदा या राष्ट्रीय संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले कतार में खड़े मिले। चाहे बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी महाविपत्तियाँ हों या देश के विभाजन का वह दर्दनाक और खौफनाक दौर, स्वयंसेवकों ने बिना किसी स्वाथं या प्रचार की इच्छा के रहत और बचाव कार्य में अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

इतिहास के पन्नों में यह बात दर्ज है कि आपातकाल के काले दिनों में लोकतंत्र की रक्षा के लिए जिन्होंने सबसे कड़ा संघर्ष किया, उनमें भी संघ के स्वयंसेवक अग्रणी रहे। इसके अलावा, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए कठिन परिस्थितियों में हर पीढ़ित के आंसू पोछने का काम संघ की कार्यसंस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। यह सेवा भाव किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के उस मूल मंत्र पर आधारित है जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'नराः नारायणः' की सीख देता है।

जब संघ ने अपनी यात्रा के सौ वर्ष पूरे किए, तो यह केवल उत्सव मनाने का समय नहीं था, बल्कि भविष्य के भारत की रूपरेखा तय करने का अवसर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर संघ के शताब्दी समारोहों से जुड़े हुए इसके राष्ट्रव्यापी योगदान को न केवल सराहा, बल्कि सौ साल के इस सफर को अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल बताया। इस अवसर पर देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और समाज को जोड़ने के नए आयाम रचे गए।

शताब्दी के इस पड़ाव पर संघ ने समाज के सामने कुछ ऐसे महत्वपूर्ण लक्ष्य रखे हैं जिन्हें 'पंच परिवर्तन' कहा गया है:

- सामाजिक समरसता: समाज से छुआछूत, ऊंच-नीच और वैमनस्य को पूरी तरह मिटाकर एक समतावादी और एकजुट समाज की स्थापना करना।
- कुटुंब प्रबोधन: आज के आधुनिक और यंत्रवत दौर में टूटते जा रहे पारिवारिक मूल्यों को बचाना, बच्चों में संस्कार सींचना और परिवार को एक मजबूत भावनात्मक केंद्र बनाना।
- पर्यावरण संरक्षण: प्रकृति के दोहन के बजाय उसका संवर्धन करना, जल संरक्षण, पौधे लगाना और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाना ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ धरती मिल सके।
- स्वदेशी आचरण: अपनी स्थानीय कलाओं, उत्पादों और कारीगरों का सम्मान करते हुए आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ना।
- नागरिक कर्तव्य: अधिकारों की मांग के साथ-साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठा से आधुनिक और यंत्रवत दौर में टूटते जा रहे पारिवारिक मूल्यों को बचाना, बच्चों में संस्कार सींचना और परिवार को एक मजबूत भावनात्मक केंद्र बनाना।

आज भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है, लेकिन वैचारिक रूप से अभी भी कई मायनों में औपनिवेशिक मानसिकता की जंजीरें पूरी तरह टूटी नहीं हैं। संघ का शताब्दी वर्ष इस बात पर विशेष जोर देता है कि हमें अपनी भाषा, अपनी वेशभूषा, अपने इतिहास और अपनी जीवनशैली पर गर्व करना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों से नहीं जुड़ेंगे, तब तक एक आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता।

संस्कृति केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज कोई प्राचीन वस्तु नहीं है, बल्कि यह वह जीवंत ऊर्जा है जो वर्तमान को दिशा देती है और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। संघ ने इन सौ वर्षों में इसी सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

विजयादशमी

विशेष



महेन्द्र तिवारी

भारतीय संस्कृति मूलतः उत्सवधर्मिता, आध्यात्मिक चेतना और उदात्त जीवन मूल्यों का ऐसा संगम है, जहाँ प्रत्येक पर्व केवल आनंद मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, आत्मशुद्धि और नैतिक पुनर्जागरण की प्रेरणा भी देता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला विजयादशमी अथवा दशहरा ऐसा ही महत्त्वपूर्ण पर्व है। यह उत्सव सदियों से मनुष्य को संदेश देता आया है कि अधर्म, अन्याय, असत्य और अहंकार की शक्ति कितनी भी विशाल क्यों न दिखाई दे, उसकी आयु सीमित होती है। सत्य, न्याय और सदाचार के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति को कठिनाइयों का सामना अवश्य करना पड़ सकता है, किंतु उसका संघर्ष समाज में आशा और विश्वास का संचार करता है। विजयादशमी इसी शाश्वत विश्वास का प्रतीक है कि नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं होता।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने लंका के राजा रावण का वध करके माता सीता को उसकी कैद से मुक्त कराया था। राम और रावण का युद्ध केवल दो शक्तिशाली व्यक्तियों के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि दो परस्पर विरोधी जीवन दृष्टियों का प्रतीक माना जाता है। एक ओर मर्यादा, सत्य, त्याग और कर्तव्य के प्रति समर्पण है, तो दूसरी ओर अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और शक्ति के दुरुपयोग का भाव। रावण अत्यंत विद्वान, पराक्रमी और शिवभक्त था। उसके पास अपार ज्ञान और वैभव था, किंतु उसका अहंकार तथा परस्त्री का हरण करने जैसा अनुचित कृत्य उसके पतन का कारण बना। इसके विपरीत श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी मर्यादा और कर्तव्य का पालन किया। इस प्रसंग का संदेश स्पष्ट है कि ज्ञान, समर्थ्य और संपत्ति तभी सार्थक हैं, जब उनका उपयोग विवेक, न्याय और लोककल्याण के लिए किया जाए। इसी विजय की स्मृति में देश के अनेक नगरों और गाँवों में नवरात्र के दिनों में रामलीला का आयोजन किया जाता है। कलाकार रामायण के प्रसंगों को मंच पर जीवंत करते हैं और दर्शकों को धर्म, त्याग, भ्रातृप्रेम तथा कर्तव्यनिष्ठा के आदर्शों से परिचित कराते हैं। दशहरे के दिन रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है। आतिशबाजी और उत्सव के बीच उमड़ती भीड़ इस परंपरा को आकर्षक बनाती है। किंतु इस आयोजन का वास्तविक महत्त्व तभी है, जब पुतलों के साथ मनुष्य अपने भीतर पल रहे दुर्गुणों को समाप्त करने का संकल्प भी ले। यदि रावण का पुतला जलाने के बाद भी हमारे व्यवहार में छल, कपट,

रावण दहन से आत्ममंथन तक

क्रूरता और अहंकार बने रहें, तो उत्सव का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। विजयादशमी का संबंध केवल भगवान श्रीराम की विजय से नहीं है। भारतीय धार्मिक परंपरा में यह देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के संहार की स्मृति से भी जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि महिषासुर के अत्याचारों से देवता और पृथ्वी के प्राणी त्रस्त थे। तब देवताओं की सम्मिलित शक्ति से देवी दुर्गा का प्राकट्य हुआ और उन्होंने युद्ध करके महिषासुर का अंत किया। शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक देवी के विभिन्न स्वरूपों की व्यावहारिक रूप है। भारत की सांस्कृतिक विविधता दशहरे को अनेक रंग और रूप प्रदान करती है। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का समापन विजयादशमी के अवसर पर प्रतिमा विसर्जन तथा सिंदूर खेला जैसी परंपराओं के साथ होता है। मैसूर का दशहरा राजसी शोभायात्रा, सुसज्जित हाथियों और चामुंडेश्वरी देवी की आराधना के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में दशहरे के दौरान भगवान रघुनाथ की रथयात्रा और विभिन्न देवी-देवताओं के आगमन से विशिष्ट लोक उत्सव का वातावरण बनता है। इन परंपराओं में धार्मिक



आराधना के बाद दसवें दिन उनकी विजय का उत्सव मनाया जाता है। इस कथा में नारी शक्ति, साहस और अन्याय के प्रतिरोध का महत्त्वपूर्ण संदेश निहित है। यह हमें बताती है कि जब अत्याचार अपनी सीमाएँ पार करने लगता है, तब उसके विरुद्ध संगठित प्रतिरोध आवश्यक हो जाता है। समाज में महिलाओं की सुरक्षा, समानता और सम्मान सुनिश्चित करना भी इसी चेतना का

मौ दंतेश्वरी की आराधना, स्थानीय देवी-देवताओं का सम्मान और आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत है। विशाल काष्ठ रथ, पारंपरिक अनुष्ठान और सामुदायिक सहभागिता इस उत्सव को विशिष्ट बनाते हैं। समकालीन जीवन में विजयादशमी का नैतिक संदेश और भी महत्त्वपूर्ण हो गया है। आज मनुष्य विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है, लेकिन इस प्रगति के साथ अनेक सामाजिक चुनौतियाँ भी बनी हुई हैं। भ्रष्टाचार, आर्थिक लालच, महिलाओं के प्रति हिंसा, कमजोर वर्गों का शोषण, पर्यावरण का विनाश और सामाजिक वैमनस्य हमारे सामने गंभीर प्रश्न उपस्थित करते हैं। इन समस्याओं को केवल कानून या व्यवस्था के सहारे पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। इनके समाधान के लिए व्यक्तिगत चरित्र, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक संसाधनों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करनी है।

बस्तर की यह परंपरा स्पष्ट करती है कि दशहरे का अर्थ केवल रावण दहन तक सीमित नहीं है। विभिन्न समुदाय अपनी आस्था, इतिहास और सांस्कृतिक अनुभवों के आधार पर इस पर्व को अलग-अलग रूपों में जीवंत रखते हैं। यही विविधता भारतीय संस्कृति की वास्तविक शक्ति है।

इस दिन शमी वृक्ष और देवी अपराजिता की पूजा, अस्त्र-शस्त्रों का पूजन तथा सीमोल्लंघन की परंपराएँ भी प्रचलित हैं। पुराने समय में राजा और योद्धा इस अवसर पर विजय अभियान के लिए प्रस्थान करते थे। आज लोग अपने व्यवसाय, कार्यस्थल, वाहनों और जीविका के साधनों की पूजा करके परिश्रम तथा सफलता के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। इन

संदेश आत्ममंथन है। हमें दूसरों की कमियाँ देखने से पहले अपने आचरण का मूल्यांकन करना चाहिए। क्या हम अपने परिवार में सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं? क्या हम महिलाओं के सम्मान और बच्चों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील हैं? क्या हम अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी से दायित्व निभाते हैं? क्या हम जाति, भाषा, धर्म और आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी व्यक्ति के प्रति भेदभाव करते हैं? ऐसे प्रश्नों के उत्तर ही हमारे नैतिक जीवन की वास्तविक परीक्षा हैं। केवल उपदेश देना पर्याप्त नहीं है।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुँचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, 'बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुँचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।' राजा ने पूछा, 'क्या कविराज?' कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएँ लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्यकता है।' कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निरंधता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?

ललित गर्ग

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोर्बागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि



सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय की राहत का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि

रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से कूकाया जा सकता है? आखिर

परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है।

व्यंग्य केसरी

टेंशन फ्री रावण के सिर!



सतीश उपाध्याय

दशहरे का मैदान खचाखच भरा था। लाउडस्पीकर पर त्रेतायुग की वीरता का बखान हो रहा था और साठ फीट ऊंचे पुतले के दस सिर बड़-बल्लियों के सहारे हवा में झूल रहे थे। नीचे खड़े लोग चाट-पकीड़ी चबाते हुए अपनी-अपनी जेबें संधाल रहे थे और पटाखों से टूंसे गए रावण के भीतर एक गंभीर आपातकालीन बैठक चल रही थी। 7नौ सिरों के चेहरे पर हवाइयां

उड़ रही थीं। भ्रष्टाचार का मुंह पीला पड़ा था, महंगाई हाफ रही थी, साम्प्रदायिकता का हलक सूखा हुआ था। जातिवाद और छुआछूत अपनी पुरानी धोती समेटते हुए कांप रहे थे। बाजारवाद बार-बार डिजिटल घड़ी देखकर चीख रहा था, 'अरे भाई, टाइम हो गया! वो देखो, वीआईपी जी ने तीर कमान पर चढ़ा लिया है। अब हमारा क्या होगा?' 'हिसा ने अपनी तलवार फेंकते हुए कहा, 'बस कुछ पलों की बात है, बारूद जलेगा और हम राख हो जाएंगे। सदियों की कमाई मिट्टी में मिल जाएगी!'

तभी बीच में बैठा हुआ सबसे बड़ा-बल्लियों के सहारे हवा में झूल रहा था। नीचे खड़े लोग चाट-पकीड़ी चबाते हुए अपनी-अपनी जेबें संधाल रहे थे और पटाखों से टूंसे गए रावण के भीतर एक गंभीर आपातकालीन बैठक चल रही थी। 7नौ सिरों के चेहरे पर हवाइयां

कविता

रावण नहीं, रावणत्व जलाएँ...



दिलीप आचार्य
'सोमेश्वर'

आओ दशहरा मनाएँ,
फिर रावण जला आएँ।
समूचा नहीं—
एक प्रतिरूप उसका,
हर बार की तरह

भाषावाद, अलगाववाद, भ्रष्टाचार, असुरक्षित, बेबस मानव लाचार।
हिंसा की मनोवृत्ति,
कटुता का जुनून,
हर मोड़ खड़े हवस भरे
शूर्पणखा से नाखून।
आतंक की ताड़का,
युद्ध की विभीषिका,
सुरसा-सी बढ़ती महँगाई,
भूख-गरीबी की गहरी खाई
सत्ता का कंचन-मृग,
कुर्सी मारीच-सी ठग,
सियासी खर-दूषण ,कालनेमी
जनता को भरमाते हैं
मंथराओं के विपैले बोल
जातियों को लड़वाते हैं

इतिहास

20 अक्टूबर का इतिहास भारत और दुनिया के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन से जुड़ा हुआ है। प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ (भारत और विश्व) 1774: कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) को आधिकारिक रूप से भारत की राजधानी बनाया गया। 1818: संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन के बीच एक संधि पर हस्ताक्षर हुए, जिसके तहत 49वीं समानांतर रेखा को अमेरिका और कनाडा की सीमा तय किया गया। 1946: वियतनाम की सरकार ने 20 अक्टूबर को 'वियतनाम महिला दिवस' के रूप में घोषित किया। 1947: अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पहली बार राजनयिक संबंध स्थापित हुए। 1962: चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश (तत्कालीन नेफा) की सीमा पर अचानक हमला कर दिया।

वर्षों के इंतजार पर लगा विकास का कदम, कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया बांकी नदी पुल का भूमिपूजन

10 से 12 हजार ग्रामीणों को मिलेगा आवागमन का लाभ

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। ग्राम पंचायत बानापाती में बानापाती-धमनी मार्ग पर बांकी नदी के ऊपर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने पुल निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को इस महत्वपूर्ण परियोजना की सौगत दी। इस पुल के निर्माण के लिए 255.60 लाख रुपये यानी लगभग 2.56 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

लंबे समय से इस पुल की आवश्यकता महसूस कर रहे ग्रामीणों को अब बेहतर संपर्क सुविधा मिलने की उम्मीद है। पुल बन जाने से बानापाती और धमनी के बीच की दूरी लगभग 8 किलोमीटर कम हो जाएगी। इससे आसपास के 6 से 8 गांवों के करीब 10 से 12 हजार ग्रामीण प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। यह परियोजना क्षेत्र में आवागमन को आसान बनाने के साथ ग्रामीण जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। खेती में नई तकनीकों और फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिले के ग्राम चोंघाडीह, गनियारी निवासी किसान अजय कुमार गुप्ता ने भी पारंपरिक खेती के साथ ऑयल पाम की खेती अपनाकर बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाया है। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम योजना के सहयोग से उन्होंने अपने खेत में वैज्ञानिक पद्धति से ऑयल पाम के पौधे लगाए हैं। उनके इस प्रयास से क्षेत्र के अन्य किसानों को भी खेती में नवाचार अपनाने की प्रेरणा मिल रही है।

गुप्ता ने बताया कि भविष्य में आय के नए स्रोत विकसित करने के उद्देश्य से उन्होंने ऑयल पाम की खेती शुरू की। इसके लिए उद्यानिकी विभाग से आवश्यक तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त किया। पौधाीरण से पहले खेत की समुचित तैयारी की गई। पौधों की बेहतर वृद्धि के लिए

अंबिकापुर द्वारा इस पुल का निर्माण कराया जाएगा। परियोजना के तहत बांकी नदी पर 60 मीटर लंबा उच्चस्तरीय पुल बनाया जाएगा। इसमें 15-15 मीटर के चार स्पान होंगे। पुल के दोनों ओर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 280 मीटर पहुंच मार्ग का भी निर्माण किया जाएगा।

इसमें बानापाती की ओर 94 मीटर तथा धमनी की ओर 186 मीटर पहुंच मार्ग शामिल है। पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण से दोनों गांवों के बीच संपर्क अधिक सुगम होने के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी आवागमन का बेहतर विकल्प मिलेगा।

समय पर और गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर जोर

कृषि मंत्री नेताम ने निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा किया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से भी निर्माण कार्य की निगरानी को सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र के लोगों की अपनी संपत्ति है, इसलिए इसके निर्माण की गुणवत्ता और उपयोगिता को लेकर सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

टपक सिंचाई, नियमित उर्वरक प्रबंधन और पौध संरक्षण के उपाय अपनाए गए। विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने समय-समय पर खेत का निरीक्षण कर आवश्यक सलाह दी, जिससे पौधों का विकास संतोषजनक रहा है। आज गुप्ता के खेत में ऑयल पाम के पौधे अच्छी तरह विकसित हो रहे हैं। सुव्यवस्थित खेती और वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग से उन्हें भविष्य में बेहतर उत्पादन की उम्मीद है। उनका लक्ष्य आने वाले वर्षों में ऑयल पाम से अच्छी उपज प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि करना है। उनके इस प्रयास से आसपास के किसानों में भी ऑयल पाम की खेती के प्रति रुचि बढ़ रही है।

महामाया मंदिर सक्ती से उल्हा तक निकली प्रथम पदयात्रा, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

विश्व केसरी सक्ती (ईश्वर लोधी)। महामाया पदयात्रा सेवा समिति सक्ती के तत्वावधान में महामाया मंदिर सक्ती से उल्हा तक 16 किलोमीटर की प्रथम पदयात्रा निकाली गई। इस धार्मिक पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पैदल शामिल होकर अपनी आस्था और श्रद्धा का प्रचिंय दिया। पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर चाक-चौबंद इंतजाम किए गए, जिससे पदयात्रा सुचारु रूप से संपन्न हुई। पदयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल के नेतृत्व में पेयजल की व्यवस्था की गई। इस दौरान राहुल सेना की भव्य झांकी निकाली जाएगी। फूल-मालाओं से सजे रथ में भगवान श्रीरामचंद्र विराजमान होंगे। गाजे-बाजे के साथ निकलने वाली यह झांकी नगर भ्रमण करते हुए मेला ग्राउंड पहुंचेगी। भगवान

शिवरीनारायण में दशहरा उत्सव की तैयारियां तेज, 61 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर में विजयादशमी पर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। महानदी किनारे चौपाटी के पास स्थित मेला ग्राउंड में इस वर्ष 61 फीट ऊंचे रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है। नगर पंचायत द्वारा मेला परिसर की साफ-सफाई कराई गई है तथा उत्सव को आकर्षक बनाने के लिए लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। मंगलवार, 20 अक्टूबर की शाम यहां रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित होगा।

दशहरा के अवसर पर मेन रोड स्थित बाँबे मार्केट की मारवाड़ी धर्मशाला से भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान एवं वानर सेना की भव्य झांकी निकाली जाएगी। फूल-मालाओं से सजे रथ में भगवान श्रीरामचंद्र विराजमान होंगे। गाजे-बाजे के साथ निकलने वाली यह झांकी नगर भ्रमण करते हुए मेला ग्राउंड पहुंचेगी। भगवान

भुरू भैना के साथ मिलकर लगभग 20 दिनों की मेहनत से 61 फीट ऊंचा पुतला तैयार किया है। इसके निर्माण में बांस, रस्सी, तार, बोरा, कपड़ा, कागज, कार्टून, बांस की चटाई, साइकिल की रिंग, पैरा और रंग सहित विभिन्न सामग्रियों का उपयोग किया गया है। रावण दहन को आकर्षक बनाने के लिए पटाखों की भी व्यवस्था की जा रही है।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है दशहरा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विजयादशमी के दिन भगवान श्रीराम लंकापति रावण का वध कर माता सीता को उसकी कैद से मुक्त कराया था। यह पर्व अर्धम पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है। इसी परंपरा के तहत हर वर्ष दशहरा पर रावण के पुतले का दहन किया जाता है। शिवरीनारायण में भी इस आयोजन को लेकर नगरवासियों में उत्साह का माहौल है।

गादी महोत्सव सहित अनेक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे राजेश्री महन्त रामसुंदर दास

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। पूर्व विधायक, महामंडलेश्वर महन्त रामसुन्दर दास महाराज का दशहरा महोत्सव के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त हुई है, मिली जानकारी के अनुसार राजेश्री मंगलवार को सुबह 9:00 बजे से 11:30 बजे तक पुरानी बस्ती जैतू साव मठ में शस्त्र एवं हवन पूजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दोपहर 12 बजे से 2:30 बजे तक दूधाधारी मठ में शस्त्र, हवन, अस्त्र एवं विनाश पूजन के कार्यक्रम में शामिल होंगे, तत्पश्चात वे यहां से रवाना होकर शाम 5:00 बजे श्री शिवरीनारायण मठ पहुंचेंगे। यहां भव्य शोभा यात्रा के साथ अस्त्र, शमी तथा जनकपुर में विराजित श्री हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा अर्चना के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। शाम 6:30 बजे गद्दी महोत्सव प्रारंभ होगा, इसमें हवन पूजन, देव दर्शन के पश्चात नगर एवं बाहर से आए हुए

श्रद्धालुओं से भेंट – मुलाकात करेंगे। रात्रि विश्राम शिवरीनारायण मठ में होगा। बुधवार, दिनांक 21 अक्टूबर को सुबह 10:00 बजे शिवरीनारायण मठ से प्रस्थान होंगे, दोपहर 12:30 बजे उनका आगमन श्री दूधाधारी मठ रायपुर होगा। उल्लेखनीय है कि राजेश्री महन्त महाराज का प्रत्येक वर्ष विजयादशमी के अवसर पर मिन्ट- टू –मिन्ट अत्यधिक व्यस्ततम कार्यक्रम रहता ही है, जिसका निवांभ वे निरंतर करते आ रहे हैं।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का दिव्य आयोजन 22 अक्टूबर से

विश्व केसरी

चांपा (नीरज शर्मा)। श्रीकृष्ण की असीम अनुकम्पा और बांकेबिहारी कृष्ण मुरारी जगत पालनकर्ता राधा रमण भगवान की असीम प्रेरणा और कृपा से चांपा नगर की पावन पुनीत धरा में शांति, समृद्धि एवं सर्वजन कल्याण के प्रयोजनार्थ एक भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है।

नगर के वरिष्ठ चिकित्सक दंपति डॉक्टर शरद बिरथरे एवं डॉक्टर विश्वनाथ बिरथरे के वैवाहिक जीवन की 50 वीं वर्षगांठ एवं डॉ. शरद बिरथरे के जन्म दिवस पर शरदोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का पावन आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर व्यासपीठ पर अंचल की सुप्रसिद्ध कथा वाचिका तथा विदुषी सविता गोस्वामी दीदीजी, वृंदावन धाम वाली अपनी मुखारविंद से अमृतमयी वाणी में कथा का रसपान करायेंगी। कथा

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। खेती में नई तकनीकों और फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिले के ग्राम चोंघाडीह, गनियारी निवासी किसान अजय कुमार गुप्ता ने भी पारंपरिक खेती के साथ ऑयल पाम की खेती अपनाकर बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाया है। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम योजना के सहयोग से उन्होंने अपने खेत में वैज्ञानिक पद्धति से ऑयल पाम के पौधे लगाए हैं। उनके इस प्रयास से क्षेत्र के अन्य किसानों को भी खेती में नवाचार अपनाने की प्रेरणा मिल रही है।

गुप्ता ने बताया कि भविष्य में आय के नए स्रोत विकसित करने के उद्देश्य से उन्होंने ऑयल पाम की खेती शुरू की। इसके लिए उद्यानिकी विभाग से आवश्यक तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त किया। पौधाीरण से पहले खेत की समुचित तैयारी की गई। पौधों की बेहतर वृद्धि के लिए

अंबिकापुर द्वारा इस पुल का निर्माण कराया जाएगा। परियोजना के तहत बांकी नदी पर 60 मीटर लंबा उच्चस्तरीय पुल बनाया जाएगा। इसमें 15-15 मीटर के चार स्पान होंगे। पुल के दोनों ओर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 280 मीटर पहुंच मार्ग का भी निर्माण किया जाएगा।

इसमें बानापाती की ओर 94 मीटर तथा धमनी की ओर 186 मीटर पहुंच मार्ग शामिल है। पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण से दोनों गांवों के बीच संपर्क अधिक सुगम होने के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी आवागमन का बेहतर विकल्प मिलेगा।

समय पर और गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर जोर

कृषि मंत्री नेताम ने निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा किया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से भी निर्माण कार्य की निगरानी को सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र के लोगों की अपनी संपत्ति है, इसलिए इसके निर्माण की गुणवत्ता और उपयोगिता को लेकर सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

जनपद पंचायत जैजैपुर में कलेक्टर जयश्री जैन ने पीवी ऐप सर्वे कार्य का लिया समीक्षा बैठक

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। कलेक्टर जयश्री जैन द्वारा आज जनपद पंचायत जैजैपुर के सभा कक्ष में पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे डिजिटल क्राॅप सर्वे कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में कलेक्टर जैन द्वारा जनपद क्षेत्र अंतर्गत अब तक हुए पीवी ऐप सर्वे कार्यों के अद्यतन में स्थिति की जानकारी ली गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर द्वारा फिजिकल वेरिफिकेशन करने के लिए सभी ग्रामों का केएमएल फाइल तैयार कर सर्वेचित्त सर्वरों को उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही जिन गांवों में सर्वे पूर्ण नहीं हुए हैं उन ग्रामों में सर्वे समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित राजस्व विभाग, कृषि

विभाग, जनपद पंचायत सहकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को सही-सही संकलन सुनिश्चित किया जाए, ताकि डिजिटल क्राॅप सर्वे का कार्य निश्चित रूप से संपन्न करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्वे कार्य के दौरान किसी भी किसान का रकबा अथवा खसरा छूटने नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान सभी आवश्यक जानकारीयों का सही-सही संकलन सुनिश्चित किया जाए, ताकि डिजिटल क्राॅप सर्वे का कार्य निश्चित रूप से संपन्न करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्वे कार्य के दौरान किसी भी किसान का रकबा अथवा खसरा छूटने नहीं

रहित कार्य किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जनपद पंचायत जैजैपुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी सदीप कश्यप, तहसीलदार विद्या भूषण साव, तहसीलदार गरिमा मनहर, अधीक्षक भू अभिलेख एस एल कंवर सहित कृषि विभाग, सहकारिता विभाग व अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीवी ऐप सर्वे कार्यों को त्रुटि रहित और गुणवत्तापूर्ण करने लगातार दिए जा रहे निर्देश – कलेक्टर जयश्री जैन द्वारा जिले में चल रहे पीवी ऐप सर्वे कार्यों को त्रुटि रहित और गुणवत्तापूर्ण करने के लिए राजस्व विभाग, कृषि विभाग, पंचायत विभाग, सहकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं।

शिवरीनारायण के वीडियो चौक दुर्गा मंदिर में अष्टमी पर माता रानी को चढ़ाई गई हल्दी, हवन से भक्तिमय हुआ वातावरण

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नवरात्रि पर्व की अष्टमी तिथि पर नगर के वीडियो चौक स्थित दुर्गा मंदिर में माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से माता दुर्गा को हल्दी अर्पित की तथा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन संपन्न कराया। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर परिवार, समाज और नगर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

हल्दी अर्पित करने की परंपरा का विशेष महत्व

हिंदू धार्मिक मान्यताओं में हल्दी को शुभता, पवित्रता और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। माता रानी को हल्दी अर्पित

करना श्रद्धा और मंगलकामना से जुड़ी परंपरा है। मान्यता के अनुसार, हल्दी अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता आती है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने माता रानी को हल्दी चढ़ाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

हवन से शुद्धता और सकारात्मकता का संदेश – पूजा-अर्चना के पश्चात दुर्गा मंदिर परिसर में विधि-विधान से हवन कराया गया। श्रद्धालुओं ने अग्नि में आहुतियां अर्पित कर विश्व कल्याण, सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हवन आध्यात्मिक शुद्धता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। हवन के दौरान मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

नवरात्रि की अष्टमी पर वीडियो चौक स्थित दुर्गा मंदिर में हुए इस धार्मिक आयोजन से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के चरणों में शीश नवाकर सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की।

नवरात्रि पर्व पर नव कन्याओं को कराया गया भोज, विधि-विधान से की गई पूजा-अर्चना

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर नगर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान नव कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया गया तथा उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। धार्मिक परंपरा के अनुसार कन्या भोज को नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व माना जाता है।

मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान छोटी कन्याओं में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का वास माना जाता है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने नवरात्रि पर्व पर आयोजित कन्या भोज के तिलक लगाया और भोजन कराया।

इसके पश्चात कन्याओं को दक्षिणा एवं उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया। नवरात्रि पर्व पर आयोजित कन्या भोज के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की तथा परिवार और समाज में सुख, शांति, सौभाग्य और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। माता रानी को हल्दी अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता आती है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने माता रानी को हल्दी चढ़ाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

शेयर बाजार में मुनाफावसूली, सेंसेक्स 876 अंक फिसला

विश्व केसरी■
मुंबई। कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को मुनाफावसूली देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 876.37 अंक या 1.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,852.90 और निफ्टी 257.20 अंक या 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,888.95 पर था।

बाजार में चौरफा बिक्वाली देखने को मिली। सूचकांकों में निफ्टी प्राइवेट बैंक (1.85 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (1.58 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (1.44 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.28 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (1.25 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (1.20 प्रतिशत), निफ्टी कंजप्शन (1.05 प्रतिशत) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.94 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

सूचकांकों में केवल निफ्टी पीएसयू बैंक 2.46 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप



के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 641.80 अंक या 1.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 58,487.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 194.05 अंक या 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ

18,935.75 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एसबीआई, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी और इंडिगो गेनर्स थे। एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, ट्रेड, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल,

इंटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, टाइटन, टेक महिंद्रा, एमएंडएम और पावर ग्रिड लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजारों में बिकवाली की वजह कमजोर वैश्विक संकेत,

प्राइवेट बैंकों और आईटी शेयरों में दबाव था। तिमाही नतीजों और मार्जिन ट्रेंड को लेकर चिंताओं के चलते प्राइवेट बैंक दबाव में रहे, जबकि पीएसयू बैंकों ने इस व्यापक कमजोरी के विपरीत बेहतर प्रदर्शन किया। उन्हें मार्जिन और एसेट क्वालिटी के स्थिर बने रहने की उम्मीदों से सहारा मिला। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका द्वारा रूस से जुड़े प्रमुख प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई, जिससे वैश्विक बाजार में रूसी ईंधन की आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद जगी। हालांकि, भू-राजनीतिक तनावों के कारण कच्चे तेल की कीमतें अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी रहीं। हालांकि, निफ्टी 23,000 के मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण स्तर से नीचे फिसल गया। वहीं, व्यापक बाजार का रुझान भी कमजोर रहा, जो नतीजों से जुड़ी अस्थिरता और अनिश्चित वैश्विक संकेतों के बीच निवेशकों की सतर्कता को दर्शाता है।

एलन मस्क का बड़ा ऐलान, अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को मिलेगा ‘स्पेसएक्स’ का एक शेयर

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने सोमवार को कहा कि वह अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को स्पेसएक्स का एक शेयर देंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने इस कदम को अपने प्रकार की पहली पहल बताया।

मस्क ने लिखा, ‘अगले साल, मैं अमेरिका के हर बच्चे को अपने स्पेसएक्स का एक शेयर दूंगा। यह अपने प्रकार पहली पहल होगी।’

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब मस्क निजी एयरोस्पेस और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के सबसे बड़े शेयरधारक बने हुए हैं। हाल ही में नियामकीय दस्तावेज में दी गई जानकारी के अनुसार, 30 जून तक स्पेसएक्स में मस्क की 48.4 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दस्तावेज के अनुसार, स्पेसएक्स में मस्क के पास लगभग 6.42 अरब



शेयर हैं। उनकी हिस्सेदारी में 84.95 करोड़ क्लास ए शेयर और ट्रस्ट के माध्यम से रखे गए 3.92 अरब क्लास बी शेयर शामिल हैं, जिनमें वह ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हैं। इसके अलावा, मस्क के पास सीधे तौर पर लगभग 1.30 अरब प्रतिबंधित क्लास बी शेयर हैं। साथ ही, उनके पास स्टॉक ऑप्शन से

जुड़े अधिकार भी हैं, जिनके तहत 35 करोड़ अन्य क्लास बी शेयर शामिल हैं।

मस्क ने प्रस्तावित शेयर वितरण को लागू करने के तरीके के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इसमें पात्रता के मानदंड, समयसीमा, नियामकीय मंजूरी और शेयर सीधे लाभार्थियों को

हस्तांतरित किए जाएंगे या ट्रस्ट के माध्यम से दिए जाएंगे, जैसे पहलू शामिल हैं।

स्पेसएक्स दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी कंपनियों में से एक है। इसका कारोबार वाणिज्यिक रॉकेट प्रक्षेपण सेवाओं, स्टारलिनक के जरिए सैटेलाइट इंटरनेट और मानव अंतरिक्ष उड़ान अभियानों तक फैला हुआ है।

इस बीच, पिछले सप्ताह मस्क ने अपनी रोडस्टर स्पोर्ट्स कार का नया वर्जन पेश किया। इसमें कार टेक्सास स्थित स्पेसएक्स के एक संरं में दौड़ने के दौरान कुछ समय के लिए जमीन से ऊपर उड़ गई।

मस्क द्वारा एक्स पर साझा की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसे दिखाया गया। इसमें कार एक ऊंचे, घुमावदार ट्रैक पर आगे बढ़ने के बाद थोड़ी दूरी तक हवा में उड़ा और फिर सुरक्षित रूप से जमीन पर उतर गया। इस प्रदर्शन की तुलना उड़ने वाली कार से की गई।

यूनियन बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़ा, एनपीए घटा

विश्व केसरी■
मुंबई। सरकारी क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सोमवार को वित्त वर्ष 27 के दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 5,781 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 4,425 करोड़ रुपए था।

सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज से आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 10,582 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 8,813 करोड़ रुपए थी।

बैंक का कंसोलिडेटेड परिचालन से मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में सालाना आधार पर करीब 19 प्रतिशत बढ़कर 8,150 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 6,844 करोड़



रुपए था। वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में बैंक की एसेट क्वालिटी में बड़ा सुधार देखने को मिला है। बैंक का ग्रांस एनपीए कम होकर 2.42 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 2.65 प्रतिशत और एक साल पहले समान अवधि में 3.29 प्रतिशत था।

इस दौरान नेट एनपीए में भी

गिरावट देखने को मिली है। बैंक का नेट एनपीए घटकर 0.42 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 0.47 प्रतिशत और एक साल पहले समान अवधि में 0.55 प्रतिशत था।

बैंक के कैपिटल एडिक्वेंसी रेशियो सितंबर तिमाही में 18.61 प्रतिशत रहा है, जो कि पिछली

साल की समान अवधि में 17.70 प्रतिशत था। हालांकि, इसमें तिमाही आधार पर कमी देखने को मिली है और यह जून तिमाही में 19.15 प्रतिशत पर था।

बैंक की नेटवर्थ में भी सितंबर तिमाही में उछाल देखने को मिला है और यह सालाना आधार पर 14.57 प्रतिशत बढ़कर 1,34,105 करोड़ रुपए हो गई है। जून तिमाही में यह 1,28,928 करोड़ रुपए पर थी। वहीं, पिछले साल की समान अवधि में यह 1,17,044 करोड़ रुपए पर थी। नतीजों के बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में उछाल दर्ज किया गया और यह दोपहर 1:50 पर 5.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 180.75 रुपए पर था। बीते एक महीने में शेयर ने करीब 2 प्रतिशत, इस साल की शुरुआत से अब तक 17 प्रतिशत, बीते एक साल में करीब 32 प्रतिशत का रिकॉर्ड दिया है।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कॉफी चैन हॉलीज पर साइबर हमले से 27.6 लाख ग्राहकों की निजी जानकारी लीक



विश्व केसरी■
सोल। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कॉफी चैन हॉलीज के ग्राहक डेटा को साइबर हमले के जरिए लीक कर दिया गया है। कंपनी ने सोमवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसके सदस्यता कार्यक्रम (मेंबरशिप प्रोग्राम) से जुड़ी जानकारी हैकर्स के हाथ लग गई। यह हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया की कंपनियों पर हुए साइबर हमलों की श्रृंखला को ताजा घटना है।

कंपनी की वेबसाइट पर जारी नोटिस के अनुसार, 3 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच हैकर्स ने अनधिकृत रूप से सिस्टम में प्रवेश किया और लगभग 27.6 लाख ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी चुरा ली। लीक हुए डेटा में ग्राहकों की जनसंख्या, मोबाइल नंबर, पते और ईमेल आईडी जैसी जानकारी शामिल हैं।

कंपनी ने कहा, ‘हमारी समझ के अनुसार लीक हुआ डेटा वर्तमान में उपयोग किए जा रहे ग्राहक डेटाबेस का नहीं, बल्कि

सदस्यता सेवा में पहले किए गए बदलाव के दौरान इस्तेमाल की गई अस्थायी डेटा फाइलों का हिस्सा है।’ कंपनी ने यह भी कहा कि घटना की वास्तविक सीमा का पता लगाने के लिए जांच अभी जारी है।

नोटिस में कहा गया, ‘इस घटना से ग्राहकों की चिंता बढ़ी है, जिसके लिए हम ईमानदारी से क्षमा चाहते हैं। हम ग्राहक डेटा की सुरक्षा और इस डेटा लीक से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।’

हॉलीज में हुई यह साइबर सुरक्षा घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब इसी महीने दक्षिण कोरिया की कई वित्तीय संस्थाओं में भी ग्राहकों की जानकारी लीक होने की घटनाएं सामने आई हैं।

वित्तीय नियामकों के अनुसार, शुक्रवार तक 16 वित्तीय संस्थाओं में करीब एक लाख मामलों में व्यक्तिगत जानकारी लीक होने की आशंका जताई गई है।

दक्षिण कोरिया में करीब 530 आउटलेट्स संचालित करने वाली

हॉलीज का स्वामित्व केजी ग्रुप के पास है, जिसका कारोबार इस्पात निर्माण, ऑटोमोबाइल निर्माण और लॉजिस्टिक्स सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में फैला हुआ है।

पिछले सप्ताह भी वित्तीय नियामक ने बताया था कि हालिया हैकिंग घटनाओं में ईमेल आईडी, नाम और फोन नंबर जैसी व्यक्तिगत जानकारी के करीब एक लाख मामले प्रभावित हो सकते हैं।

इस महीने की शुरुआत में केबी क्यूमिन बैंक, शिनहान बैंक समेत कई वित्तीय संस्थाओं में ग्राहकों और अन्य संवेदनशील सूचनाओं के लीक होने की घटनाएं सामने आई थीं।

वित्तीय सेवा आयोग (एफएससी) ने कहा है कि प्रभावित संस्थान यह जांच कर रहे हैं कि कहीं डेटा लीक के और मामले तो नहीं हुए हैं। हालांकि आयोग ने स्पष्ट किया कि बैंक खाता संख्या, क्रेडिट कार्ड नंबर और अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी लीक नहीं हुई है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता आज से होगा लागू, व्यापार और निवेश को मिलेगा बड़ा बढ़ावा: वाणिज्य सचिव

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 20 अक्टूबर से लागू हो जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, नियामकीय सहयोग को तेज करने और निवेश प्रवाह बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

समझौते के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि एफटीए केवल शुल्कों में कटीती तक सीमित नहीं

होते, बल्कि वे व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को बढ़ावा देने वाली गहरी और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी विकसित करने का माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा, ‘एफटीए का उद्देश्य गहरी आर्थिक साझेदारी तैयार करना है।’

वाणिज्य सचिव ने कहा कि ऐसे समझौते नियामकीय मंजूरीयों की प्रक्रिया को तेज करने और साझेदार देशों के बीच कारोबार सुगमता बढ़ाने में भी मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत मजबूत और लचीली वैश्विक आपूर्ति



श्रृंखलाएं विकसित करने तथा भारतीय कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ाने की व्यापक रणनीति के तहत कई मुक्त व्यापार समझौतों पर काम

कर रहा है। अग्रवाल ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई मजबूती देगा और सरकार आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता निवेश के क्षेत्र में भी बड़े अवसर खोलने वाला माना जा रहा है। एफटीए के जरिए कृषि, विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और स्टार्टअप समेत विभिन्न क्षेत्रों में न्यूजीलैंड से भारत में 20 अरब डॉलर तक के निवेश का रास्ता खुल

सकता है। भारत के सेवा क्षेत्र को भी इस समझौते से व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है। सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, निर्माण, पर्यटन और ऑडियो-विजुअल सेवाओं जैसे क्षेत्रों को न्यूजीलैंड के बाजार में अधिक पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत भारतीय पेशेवरों के लिए विशेष वीजा कोटा की व्यवस्था की गई है। साथ ही भारतीय छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करने के अधिकारों का विस्तार किया गया है, जिससे रोजगार के नए अवसर उभलव्य होंगे।

रायपुर के सरोना में खुला विश्वप्रसिद्ध याकोहामा क्लब नेटवर्क स्टोर

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वाहन स्वामियों और कार प्रेमियों के लिए के सरोना क्षेत्र में अपने बेहद भव्य और आधुनिक याकोहामा क्लब नेटवर्क स्टोर का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस हाई-टेक स्टोर की शुरुआत योकोहामा के विश्वसनीय पार्टनर सद्गुरु ऑटोमोबाइल्स द्वारा की गई है। जो कि रायपुर शहर में उनका दूसरा सबसे बड़ा और भव्य आउटलेट है। अपने विशाल आकर्षण का केंद्र बन गया है।

इस भव्य उद्घाटन समारोह के विशेष अवसर पर सिद्धार्थ गवेल मुख्य अतिथि शोरूम परिसर, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रीमियम लुक के कारण यह स्टोर खुलते ही क्षेत्र में चर्चा और रूप में उपस्थित रहे। जिनकी गरिमामयी मौजदगी में फीता काटकर इस शोरूम को आम जनता और ग्राहकों की सेवा में समर्पित किया गया।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वाहन स्वामियों और कार प्रेमियों के लिए के सरोना क्षेत्र में अपने बेहद भव्य और आधुनिक याकोहामा क्लब नेटवर्क स्टोर का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस हाई-टेक स्टोर की शुरुआत योकोहामा के विश्वसनीय पार्टनर सद्गुरु ऑटोमोबाइल्स द्वारा की गई है। जो कि रायपुर शहर में उनका दूसरा सबसे बड़ा और भव्य आउटलेट है। अपने विशाल आकर्षण का केंद्र बन गया है।

इस भव्य उद्घाटन समारोह के विशेष अवसर पर सिद्धार्थ गवेल मुख्य अतिथि शोरूम परिसर, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रीमियम लुक के कारण यह स्टोर खुलते ही क्षेत्र में चर्चा और रूप में उपस्थित रहे। जिनकी गरिमामयी मौजदगी में फीता काटकर इस शोरूम को आम जनता और ग्राहकों की सेवा में समर्पित किया गया।

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वाहन स्वामियों और कार प्रेमियों के लिए के सरोना क्षेत्र में अपने बेहद भव्य और आधुनिक याकोहामा क्लब नेटवर्क स्टोर का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस हाई-टेक स्टोर की शुरुआत योकोहामा के विश्वसनीय पार्टनर सद्गुरु ऑटोमोबाइल्स द्वारा की गई है। जो कि रायपुर शहर में उनका दूसरा सबसे बड़ा और भव्य आउटलेट है। अपने विशाल आकर्षण का केंद्र बन गया है।

इस भव्य उद्घाटन समारोह के विशेष अवसर पर सिद्धार्थ गवेल मुख्य अतिथि शोरूम परिसर, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रीमियम लुक के कारण यह स्टोर खुलते ही क्षेत्र में चर्चा और रूप में उपस्थित रहे। जिनकी गरिमामयी मौजदगी में फीता काटकर इस शोरूम को आम जनता और ग्राहकों की सेवा में समर्पित किया गया।

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वाहन स्वामियों और कार प्रेमियों के लिए के सरोना क्षेत्र में अपने बेहद भव्य और आधुनिक याकोहामा क्लब नेटवर्क स्टोर का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस हाई-टेक स्टोर की शुरुआत योकोहामा के विश्वसनीय पार्टनर सद्गुरु ऑटोमोबाइल्स द्वारा की गई है। जो कि रायपुर शहर में उनका दूसरा सबसे बड़ा और भव्य आउटलेट है। अपने विशाल आकर्षण का केंद्र बन गया है।

इस भव्य उद्घाटन समारोह के विशेष अवसर पर सिद्धार्थ गवेल मुख्य अतिथि शोरूम परिसर, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रीमियम लुक के कारण यह स्टोर खुलते ही क्षेत्र में चर्चा और रूप में उपस्थित रहे। जिनकी गरिमामयी मौजदगी में फीता काटकर इस शोरूम को आम जनता और ग्राहकों की सेवा में समर्पित किया गया।

आधुनिक स्टोर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ ग्राहकों को उनकी गाड़ियों के मोडल और उनकी ड्राइविंग प्राथमिकताओं के अनुसार सही टायर चुनने के लिए विशेषज्ञों का विशेष मार्गदर्शन मिलेगा। इस शोरूम में पैसेंजर कारों से लेकर एसयूवी गाड़ियों तक के प्रीमियम टायर्स की पूरी श्रृंखला प्रदर्शित की गई है, जिससे ग्राहकों को चुनाव करने में काफी आसानी होगी।

इसके साथ ही, स्टोर में गाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्हील अलाइनमेंट और व्हील बैलेंसिंग के लिए दुनिया की सबसे एडवांस और हाई-टेक मशीनों भी लगाई गई हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सद्गुरु ऑटोमोबाइल्स के प्रतिनिधि ने मीडिया को बताया कि यह नया आउटलेट हमारी विस्तार यात्रा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रायपुर के ग्राहकों ने हमेशा गुणवत्ता, सुरक्षा और भरोसे को प्राथमिकता दी है, और हमारा लक्ष्य इस नए स्टोर के माध्यम से उन्हें न सिर्फ बेहतरीन उत्पाद देना है, बल्कि टायर खरीदी और गाड़ियों के मेंटेनेंस का एक वर्ल्ड-क्लास अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने आगे कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि यह आउटलेट रायपुर के प्रीमियम टायर बाजार को एक बिल्कुल नई, आधुनिक और बेहद मजबूत पहचान देगा।

टाइगर श्रॉफ की तरह ऐसे बनाएं मस्कुलर बॉडी, नोट कर लें इनकी वर्कआउट रूटीन



टाइगर श्रॉफ की तरह मस्कुलर बॉडी बनाना चाहते हैं ? जानिए उनके वर्कआउट रूटीन में कार्डियो, किकबॉक्सिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की क्या भूमिका है और फिटनेस के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

बीते रात बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ को 3 बाइक सवारों ने गोली मारने की कोशिश की, जिसमें उनके ड्राइवर और फैंस घायल हुए हैं. इस पूरे मामले को जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है. टाइगर श्रॉफ

अपनी फिटनेस, मस्कुलर बॉडी और शानदार एक्शन के लिए जाने जाते हैं. उनकी फिटनेस के पीछे नियमित वर्कआउट, कार्डियो, मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसी गतिविधियों का अहम योगदान है. टाइगर की ट्रेनिंग का फोकस सिर्फ मसल्स बनाने पर नहीं, बल्कि शरीर की ताकत, फुर्ती, स्टैमिना और लचीलापन बनाए रखने पर भी रहता है. अगर आप भी फिट और मजबूत शरीर बनाना चाहते हैं, तो उनके वर्कआउट रूटीन से कुछ

बातें सीख सकते हैं.

टाइगर श्रॉफ का वर्कआउट रूटीन कैसा है ?

Esquire India से बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने दिन के अलग-अलग समय में Physical Activity करने के बारे में बताया है. एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी दिनचर्या में सुबह करीब 45 मिनट कार्डियो करना शामिल है. इसके बाद वह किकबॉक्सिंग या डांस जैसी

गतिविधियों के जरिए अपनी फिटनेस और मूवमेंट पर काम करते हैं. आराम करने के बाद वह दिन के दूसरे हिस्से में वेट ट्रेनिंग भी करते हैं. इसके अलावा फुटबॉल, क्रिकेट और बास्केटबॉल जैसे खेल भी उनकी फिटनेस दिनचर्या का हिस्सा रहे हैं.

बीते रात बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ को 3 बाइक सवारों ने गोली मारने की कोशिश की, जिसमें उनके ड्राइवर और फैंस घायल हुए हैं. इस पूरे मामले को जिम्मेदारी लॉरेंस

बिश्नोई गैंग ने ली है. टाइगर श्रॉफ अपनी फिटनेस, मस्कुलर बॉडी और शानदार एक्शन के लिए जाने जाते हैं. उनकी फिटनेस के पीछे नियमित वर्कआउट, कार्डियो, मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसी गतिविधियों का अहम योगदान है. टाइगर की ट्रेनिंग का फोकस सिर्फ मसल्स बनाने पर नहीं, बल्कि शरीर की ताकत, फुर्ती, स्टैमिना और लचीलापन बनाए रखने पर भी रहता है. अगर आप भी फिट और मजबूत शरीर बनाना चाहते हैं, तो उनके वर्कआउट रूटीन से कुछ बातें सीख सकते हैं.

टाइगर श्रॉफ का वर्कआउट रूटीन कैसा है ?

Esquire India से बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने दिन के अलग-अलग समय में Physical Activity करने के बारे में बताया है. एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी दिनचर्या में सुबह करीब 45 मिनट कार्डियो करना शामिल है. इसके बाद वह किकबॉक्सिंग या डांस जैसी गतिविधियों के जरिए अपनी फिटनेस और मूवमेंट पर काम करते हैं. आराम करने के बाद वह दिन के दूसरे हिस्से में वेट ट्रेनिंग भी करते हैं. इसके अलावा फुटबॉल, क्रिकेट और बास्केटबॉल जैसे खेल भी उनकी फिटनेस दिनचर्या का हिस्सा रहे हैं.

भोजपुर की फेमस शुद्ध खोए की बर्फी, 1982 में 2 किलो से शुरू किया, अब रोज 40 किलो बिक्री



जिले में आरा शहर से लगभग 40 किलोमीटर दूर पिरो अनुमंडल मुख्यालय के समीप स्थित मलौर गांव अपनी खास और स्वादिष्ट बर्फी के लिए जाना जाता है. बिहार के भोजपुर जिले का मलौर गांव अपनी शुद्ध खोए की बर्फी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध हो गया है. स्वाद और गुणवत्ता के दम पर इस मिठाई ने दुकान संचालक अशोक कुमार को नई पहचान दी है.

अब इसे रेलवे स्टेशन पर भी उपलब्ध कराने की तैयारी है. आरा-पिरो मुख्य मार्ग पर स्थित साधु मिष्ठान भंडार के संस्थापक अशोक कुमार ने वर्ष 1982 में इस दुकान की शुरुआत की थी, जो

आज इस गांव की पहचान बन चुकी है.

अशोक कुमार बताते हैं कि जब उन्होंने दुकान शुरू की थी. तब रोजाना मुश्किल से 2 या 3 किलो बर्फी ही बिक पाती थी. समय के साथ बर्फी के स्वाद और शुद्धता ने लोगों का दिल जीत लिया और आज यहां रोजाना लगभग 40 किलो बर्फी तैयार की जाती है.

वर्तमान में दुकान पर हर दिन करीब 15000 रुपये की बर्फी व पेड़े की बिक्री होती है. बाजार में इस प्रसिद्ध बर्फी की कीमत 350 रुपये प्रति किलोग्राम है. जिसे लोग इसकी शुद्धता के कारण पसंद करते हैं. बर्फी के लाजवाब स्वाद के

कारण पहले मलौर गांव प्रसिद्ध हुआ. फिर अशोक कुमार को पूरे पंचायत में खास पहचान मिली. उनकी इस पहचान और ग्रामीणों के भरोसे के कारण स्थानीय लोगों ने उन्हें अपने पंचायत का मुखिया चुन लिया.

मलौर की इस प्रसिद्ध बर्फी की मांग और लोकप्रियता को देखते हुए अब इसे बड़े स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है. भारतीय रेलवे की एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत इस बर्फी को पिरो रेलवे स्टेशन पर बेचने और इसका आउटलेट लगाने की तैयारी की जा रही है, ताकि यात्री भी इसका स्वाद ले सकें।

माउंट आबू की इस झोपड़ी में 12 साल रहीं मीराबाई, पर्यटकों के लिए बन चुकी है खास पहचान



राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित माउंट आबू के अचलगढ़ क्षेत्र का मीराबाई से जुड़ा एक ऐसा स्थान है, जहां भक्ति और वैराग्य की लोककथाएं आज भी प्रचलित हैं. मान्यता है कि अचलगढ़ किले के पास पहाड़ी पर बनी एक झोपड़ी में भक्त शिरोमणि मीराबाई ने 12 वर्षों तक भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और तपस्या की थी. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, महाराणा कुंभा के महल का वैभव छोड़कर उन्होंने एकांत में भक्ति का मार्ग चुना. झोपड़ी के पास स्थित सावन-भादो कुंड को लेकर भी लोककथा प्रचलित है कि इसका निर्माण कृष्ण चिरह में मीराबाई के आंसुओं से हुआ था. आज भी यह स्थान मीराबाई की झोपड़ी के नाम से पहचाना जाता है. यहां मीराबाई की मूर्ति के साथ अचलगढ़ किले के अवशेष और प्राचीन धार्मिक स्थल भी मौजूद हैं.

भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त और मारवाड़ की मीराबाई का सिरोही के हिल स्टेशन आबूराज (माउंट आबू) से भी नाता है. यहां एक पहाड़ी पर बनी झोपड़ी में रहकर उन्होंने कई वर्षों तक तपस्या कर भगवान कृष्ण की भक्ति की थी. राजस्थान के प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल आबूराज से करीब 7 किलोमीटर दूर स्थित अचलगढ़ क्षेत्र में पहाड़ी पर बने अचलगढ़ के किले के पास ही एक झोपड़ी बनी हुई है.

माना जाता है कि इसी स्थान पर भक्त शिरोमणि मीराबाई ने 12 वर्षों तक भक्ति की थी. स्थानीय रहवासी दिलीप भाई ने बताया कि पास में ही महाराणा कुम्भा का महल होने और कुम्भा के पड़पोते से ही मीराबाई का विवाह हुआ था. इसके बावजूद यहां उन्होंने महल का वैभव छोड़कर एक झोपड़ी में रहकर भगवान की भक्ति की. इस वजह से आज भी इस स्थान को मीराबाई की झोपड़ी के नाम से पहचाना जाता है।

कहीं व्रत में आप भी तो नहीं खा रहे खराब कुटू का आटा? खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान



त्योहारों और व्रत के सीजन में कुटू का आटा खरीदते समय थोड़ी सी लापरवाही सेहत पर भारी पड़ सकती है. बलिया में मडुआ का आटा खाने से 50 से अधिक महिलाओं की तबीयत बिगड़ने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग अलर्ट हो गया है. विभाग ने कुटू के आटे और अन्य फलाहारी उत्पादों की जांच के लिए सैंपल लेने शुरू कर दिए हैं. वहीं, विशेषज्ञों ने ग्राहकों को आटे की गंध, रंग, पैकेजिंग और एक्सपायरी डेट जानने की सलाह दी है. जानिए, कुटू का आटा खरीदते समय किन बातों का ध्यान

रखें और मिलावट की आशंका होने पर कैसे सतर्क रहें.

व्रत के लिए कुटू का आटा खरीद रहे हैं, तो उसकी गुणवत्ता जांचना न भूलें. त्योहारों के सीजन में फलाहार की मांग बढ़ने के साथ पुराना या खराब आटा बिकने की आशंका भी रहती है. ऐसे में आटे की गंध, रंग और पैकेट पर लिखी जानकारी पर ध्यान देना जरूरी है. खराब आटा खाने से सेहत बिगड़ सकती है, इसलिए खरीदारी करते समय थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है.

हाल ही में बलिया जिले में

जीवित्पुत्रिका व्रत के दौरान मडुआ का आटा खाने से 50 से अधिक महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई थी. इस घटना के बाद जिला प्रशासन और खाद्य एवं औषधि विभाग अलर्ट हो गए हैं. खाद्य सुरक्षा विभाग ने शहर के अलग-अलग गोदामों में जांच अभियान शुरू किया है और कुटू के आटे समेत दूसरे फलाहारी उत्पादों के सैंपल लिए जा रहे हैं.

गंध और रंग से ऐसे पहचानें खराब कुटू का आटा बलिया के रहने वाले शिवकुमार सिंह कौशिकेय के

मुताबिक, कुटू का आटा व्रत में

फलाहार के रूप में खाया जाता है.

यह लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है. हालांकि, पिछले

व्रत का बचा हुआ पुराना या खराब आटा इस सीजन में बेचा जाए, तो इससे सेहत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. कुटू का आटा खरीदते समय उसके रंग और गंध पर ध्यान दें. ताजा आटा आमतौर पर हल्का भूत और दानेदार होता है. उसमें से प्राकृतिक गंध आती है, जबकि बासी या खराब आटे में तीखी या खट्टी गंध आ सकती है. इसलिए आटा खरीदते समय उसकी गंध जरूर जांचें. अगर आटे में असामान्य गंध आए या उसमें नमी और फफूंद दिखाई दे, तो उसे न खरीदें.

कुटू के आटे की गुणवत्ता जांचने में न करें ये गलती शिवकुमार सिंह कौशिकेय ने बताया कि असली कुटू का आटा छूने में हल्का दानेदार, मुलायम और थोड़ा चिपचिपा हो सकता है. उन्होंने आटे को पानी में डालकर देखने की बात भी कही है. हालांकि, सिर्फ पानी में आटे के नीचे बैठने या ऊपर तैरने से उसकी शुद्धता का पक्का पता नहीं लगाया जा सकता. इसी तरह, घरेलू जांच के आधार पर भी आटे को पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता।

आंवले का अचार या मुरब्बा नहीं, इस बार ट्राई करें झन्नाटेदार चटपटी चटनी, खाने का बढ़ जाएगा स्वाद



खाने के साथ कुछ खट्टा-तीखा मिल जाए, तो स्वाद और बढ़ जाता है. ऐसे में आंवले की चटनी एक अच्छा विकल्प है, जिसे घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है. गोंडा की संजू मिश्रा ने आंवले की चटनी बनाने का आसान तरीका बताया है. इसे बनाने के लिए आंवला, हरा धनिया, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक और कुछ मसालों की जरूरत पड़ती है. सभी सामग्री को सिलबट्टे या मिक्सर में पीसकर चटनी तैयार की जा सकती है. इसे रोटी, परांठे और दाल-चावल के साथ खा सकते हैं. जानिए, आंवले की चटनी बनाने के लिए किन चीजों की जरूरत होगी और इसे बनाने का सही तरीका क्या है.

अगर आप रोजाना के खाने में कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाना चाहते हैं, तो आंवले की खट्टी-तीखी चटनी बना सकते हैं. यह रोटी, परांठे और दाल-चावल के साथ खाने का स्वाद बढ़ा देती है. इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और इसके लिए ज्यादा सामग्री की जरूरत भी नहीं पड़ती.

लोकल 18 से बातचीत के दौरान संजू मिश्रा बताती हैं कि आंवले की चटनी बनाने के लिए घर में मौजूद सामान्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसमें आंवले के साथ हरा धनिया, हरी मिर्च, लहसुन और कुछ मसाले डाले जाते हैं. इन सभी चीजों को पीसकर आप घर पर स्वादिष्ट चटनी तैयार कर सकते हैं.

आंवले की चटनी बनाने के लिए सामग्री

आंवले की चटनी बनाने के लिए 4 से 5 आंवले, एक कटोरी हरा धनिया, 2 से 3 हरी मिर्च, 5 से 6 लहसुन की कलियां, आधा चम्मच जीरा, आधा चम्मच सोंफ, कुछ करी पत्ते, अदरक का एक छोटा टुकड़ा और स्वादानुसार नमक लें।

लुई विटॉन से डायर तक, फ्रांस में लूटे गए लग्जरी ब्रांड्स के बैग-कपड़े, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

फ्रांस में 17 अक्टूबर 2026 को महंगाई और लाइफस्टाइल की चीजों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान कई शहरों में हिंसा, तोड़फोड़ और दुकानों में लूटपाट की घटनाएं सामने आईं. फ्रांस के होम मिनिस्ट्री के अनुसार, लगभग 1500 दुकानों में लूट हुई है. इनमें लुई वितों, डायर, बर्बेरी, सेलीन, केन्जो और लैकोस्ट जैसे बड़े ब्रांड्स की दुकानें भी शामिल हैं.

फैशन की दुनिया में लुई वितों, डायर, बर्बेरी, सेलीन, केन्जो और लैकोस्ट जैसे ब्रांड्स की पहचान उनके महंगे कपड़ों, डिजाइनर बैग, जूतों और एक्सेसरीज के लिए है. इनके कई प्रोडक्ट्स की कीमत हजारों से लेकर लाखों रुपये तक होती है. आइए जानते हैं इनके प्रोडक्ट्स की बाजार में अनुमानित कीमत कितनी है.

फ्रांस के मशहूर लग्जरी ब्रांड लुई वितों की दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया. ये फ्रांस का एक मशहूर लग्जरी फैशन ब्रांड है, जिसकी शुरुआत साल 1854 में पेरिस में हुई थी. अक्टूबर 2026 तक ये ब्रांड



लगभग 172 साल पुराना हो चुका है. आज ये अपने महंगे हैंडबैग, डिजाइनर कपड़ों, जूतों, घड़ियों और एक्सेसरीज के लिए दुनिया भर में मशहूर है. शुरुआत में Louis Vuitton यात्रा के दौरान सामान रखने के लिए

मजबूत और हल्के ट्रंक बनाता था. Louis Vuitton के एक लेदर बैग को तैयार करने के लगभग 250 प्रोसेस से गुजारा जाता है. इसके बैग की कीमत आमतौर पर लगभग 2 लाख रुपये से शुरू होकर कई लाख

रुपये तक जा होती है.

Dior फ्रांस का एक मशहूर लग्जरी फैशन ब्रांड है, जिसकी स्थापना 1946 में डिजाइनर क्रिश्चियन डायर ने की थी. इसके पहले फैशन कलेक्शन को 12 फरवरी 1947 को

पेश किया गया था. इस कलेक्शन ने महिलाओं के फैशन को एक नई पहचान दी, जिसे न्यू लुक (New Look) के नाम से जाना गया. Dior का Lady Dior बैग दुनिया के पांथ्युलर डिजाइनर बैग में शामिल है. 1990 के दशक में प्रिंसेस डायना ने भी इस बैग को यूज किया था. Dior आज लग्जरी कपड़ों, हैंडबैग, जूतों, ज्वेलरी, घड़ियों, परफ्यूम और मेकअप के लिए जाना जाता है. इसके डिजाइनर बैग की कीमत लगभग 3 लाख रुपये से लेकर 6 लाख रुपये या इससे अधिक होती है. वहीं, परफ्यूम की कीमत 14000 से शुरू होती है.

बर्बेरी (Burberry)- ब्रिटिश फैशन ब्रांड बर्बेरी की दुकान भी जनता के गुस्सा का निशाना बनी. इसकी पहचान खास चेक पैटर्न वाले स्कार्फ, ट्रेंच कोट और लग्जरी कपड़ों से है.170 साल पुराना ब्रांड Burberry की शुरुआत 1856 में इंग्लैंड के बेसिंगस्टोक में थॉमस बर्बेरी ने की थी. Burberry का बेज, काला, लाल और सफेद चेक पैटर्न 1920 के दशक में रेनकोट की लाइनिंग के रूप

में आया था. बाद में यही पैटर्न स्कार्फ और अन्य एक्सेसरीज की पहचान बन गया. बर्बेरी के स्कार्फ की कीमत लगभग 40 हजार से 1 लाख रुपये तक आती है, जबकि इसके कोट की कीमत इससे काफी ज्यादा होती है.

सेलीन (Celine)- पेरिस के एवेन्यू मॉंटैन में सेलीन के स्टोर में

लूटपाट की खबर सामने आई है. ये ब्रांड अपने मिनिमलिस्ट डिजाइन, लग्जरी हैंडबैग और प्रीमियम कपड़ों के लिए जाना जाता है. इसके कई डिजाइनर बैग की कीमत लगभग 1.5 लाख से 4 लाख रुपये से शुरू होती है.

केन्जो (Kenzo)- केन्जो के

स्टोर की खिड़कियां तोड़कर सामान लूटे जाने की खबर भी सामने आई. ये ब्रांड अपने रंगीन प्रिंट, लोगो वाली स्वेटशर्ट और स्ट्रीटवियर के लिए जाना जाता है. इसकी स्वेटशर्ट और जैकेट की कीमत मॉडल के अनुसार लगभग 20 हजार से 70 हजार रुपये तक होती है।



मॉम-टू-बी सामंथा की छोटे पर्दे पर वापसी, 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' करेंगी होस्ट

मुंबई । अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु तमिल कुकिंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' की होस्ट के रूप में छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह बचपन में अपनी मां के साथ 'मास्टरशेफ' देखा करती थीं।

“मां के साथ 'मास्टरशेफ' देखना हमारा खास बॉन्डिंग टाइम था”

अभिनेत्री ने यह भी माना कि वह हमेशा इस शो का हिस्सा बनना चाहती थीं। उन्होंने कहा, “शो का हिस्सा होना वाकई मैं मेरे लिए खास है, क्योंकि जब मैं छोटी थी, तो 'मास्टरशेफ' हमारे परिवार के लिए फैमिली शो हुआ करता था। मैं और मॉम हमेशा साथ में 'मास्टरशेफ' देखते थे और वही हमारा बॉन्डिंग टाइम होता था। कई सालों बाद 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में सेलिब्रिटी जज बनना कुछ ऐसा है, जो मैंने कभी सोचा भी नहीं था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। इसलिए यह मेरे लिए बेहद खास है।”

उन्होंने आगे कहा, “मैं हमेशा से ऐसे शो का हिस्सा बनना चाहती थी, जो टीवी पर पूरे परिवार के साथ देखा जा सके और यह मेरे लिए बिल्कुल परफेक्ट शो है। इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूँ।”

होस्ट और जजेस की दमदार टीम
'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु होस्ट और शो रनर के रूप में लीड कर रही हैं। उनके साथ आरजे विजय भी होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। शो में खाने का जायका परखने और फैसला करने के लिए शेफ वेंकटेश भट्ट, शेफ शशि चेलिया और शेफ श्रेया अडका जजों के रूप में होंगे। वहीं, कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में अभि, बालाजी मुरुगादॉस, वीना, जननी अशोक, मारिया जूलियाना, माधिरियम बाला, रवि मारिया, रेशमी मेनन, आरजे दीपक, शियारा, सिद्धार्थ और विनोथिनी शामिल हैं।



सोनी विज्ञा और सोनी लिव पर होगा प्रीमियाॉ
'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' शो का निर्माण 'बर्निजय एशिया' ने किया है। इसका प्रीमियर सोमवार को रात 8 बजे सोनी विज्ञा और सोनी लिव पर होगा।

मातृत्व के नए दौर में हैं सामंथा
अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु इस समय अपनी प्रेग्नेंसी और मातृत्व के नए खूबसूरत दौर में हैं। उन्होंने जून 2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और पति फिल्मकार राज निर्दिमोरु अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंडी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी।



‘स्टूडेंट ऑफ द ईयर’ के 14 साल, धर्मा प्रोडक्शन ने यूं मनाया जश्न



विश्व केसरी ■
मुंबई। निर्देशक करण जौहर की आइकॉनिक लव ट्रायंगल फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' ने रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को फिर से दोहराया। धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें फिल्म से जुड़ी झलकियां हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'उन नए चेहरों, शानदार गानों, एक आइकॉनिक लव ट्रायंगल और उस कहानी को जिसने हमें इश्क वाला प्यार करना सिखाया, सेलिब्रेट कर रहे हैं। फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' ने अपनी रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। यह फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।' 2012 में रिलीज हुई इस फिल्म के जरिए आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा को बॉलीवुड में लॉन्च किया गया था। करण जौहर और पुनित मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म न केवल युवाओं की पसंद बनी, बल्कि साल 2012 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही। फिल्म की कहानी कॉलेज लाइफ, प्यार, दोस्ती और प्रतिद्वंद्विता के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में आलिया भट्ट ने शनाया, वरुण धवन ने रोहन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अभिमन्यु का किरदार निभाया था। कहानी में रोहन और अभिमन्यु गहरे दोस्त हैं, लेकिन 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' टूर्नी के लिए उनकी प्रतियोगिता दोस्ती में दरार ला देती है। मामला तब और उलझता है, जब अभिमन्यु को रोहन की गैलफ्रेंड शनाया से प्यार हो जाता है। इस लव ट्राइएंगल ने दर्शकों का ध्यान खूब खींचा। फिल्म में ऋषि कपूर, रोहित रॉय, राम कपूर, फरीदा जलाल, सना सईद और कायोज ईरानी जैसे सितारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। इसके गाने, जैसे 'इश्क वाला लव' और 'राधा', आज भी फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। करण जौहर की यह फिल्म अपने रंगीन सेट्स, स्टाइलिश किरदारों और कहानी के लिए जानी जाती है। रिलीज के इतने साल बाद भी यह फिल्म दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। मेकर्स ने एक बार फिर फैंस को फिर से इस फिल्म की यादें ताजा करने का मौका दिया।

मॉम-टू-बी सामंथा की छोटे पर्दे पर वापसी, 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को करेंगी होस्ट

विश्व केसरी ■
मुंबई। अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु तमिल कुकिंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' की होस्ट के रूप में छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह बचपन में अपनी मां के साथ 'मास्टरशेफ' देखा करती थीं। अभिनेत्री ने यह भी माना कि वह हमेशा इस शो का हिस्सा बनना चाहती थीं। उन्होंने कहा, “शो का हिस्सा होना वाकई मैं मेरे लिए खास है, क्योंकि जब मैं छोटी थी, तो 'मास्टरशेफ' हमारे परिवार के लिए फैमिली शो हुआ करता था। मैं और मॉम हमेशा साथ में 'मास्टरशेफ' देखते थे और वही हमारा बॉन्डिंग टाइम होता था। कई सालों बाद 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में सेलिब्रिटी जज बनना कुछ ऐसा है, जो मैंने कभी सोचा भी नहीं था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। इसलिए यह मेरे लिए बेहद खास है।” उन्होंने आगे कहा, “मैं हमेशा से ऐसे शो का हिस्सा बनना चाहती थी, जो टीवी पर पूरे परिवार के साथ देखा जा सके और यह मेरे लिए बिल्कुल परफेक्ट शो है। इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूँ।” कुकिंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु होस्ट और शो रनर के रूप में लीड कर रही हैं। उनके साथ इस शो में आरजे विजय भी होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। शो में खाने का जायका परखने और फैसला करने के लिए शेफ वेंकटेश भट्ट, शेफ शशि चेलिया और शेफ श्रेया अडका जजों के तौर पर होंगे। वहीं, कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में अभि, बालाजी मुरुगादॉस, धीना, जननी अशोक, मारिया जूलियाना, माधिरियम बाला, रवि मारिया, रेशमी मेनन, आरजे दीपक, शियारा, सिद्धार्थ और विनोथिनी शामिल हैं।

काम न मिलने के कारण किरण कुमार को करना पड़ा था गुजराती सिनेमा का रुख, राकेश रोशन ने कराई बॉलीवुड में वापसी

विश्व केसरी ■
मुंबई। किरण कुमार फिल्म इंडस्ट्री के एक ऐसे नायाब अभिनेता हैं जो किसी भी तरह के किरदार को पर्दे पर शानदार तरीके से निभाते हैं। 20 अक्टूबर 1953 को जन्मे किरण कुमार अभी भी सक्रिय हैं। एक वक्त में किरण कुमार विलेन की छवि के लिए मशहूर थे लेकिन उसके बाद उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में भी काम किया जिसमें उन्होंने सजीवा किरदार निभाया। उनकी एक्टिंग पर्दे पर काफी शानदार नजर आती है। किरण कुमार का जन्म 1953 में मुंबई में हुआ था। किरण कुमार एक कुलीन हिंदू कश्मीरी पंडित परिवार से आते हैं, उनके परदादा एक रईस थे जिन्होंने कश्मीर की रियासत की संप्रभुता के तहत गिलगित एजेंसी पर वजीर-ए-वजारत (मुख्यमंत्री) के रूप में शासन किया। पिता ओंकारनाथ धर हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता जीवन थे। किरण कुमार ने इंदौर के एक बोर्डिंग स्कूल, डेली कॉलेज में पढ़ाई की। मुंबई के बांद्रा स्थित आरडी नेशनल कॉलेज से स्नातक करने के बाद पुणे स्थित फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) में शामिल हो गए। किरण कुमार ने 1960 में फिल्म 'लव इन शिमला' में एक छोटी भूमिका निभाकर अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। हालांकि, मुख्य अभिनेता के रूप में उनकी पहली फिल्म 1974 में 'आजाद मोहब्बत' थी। किरण कुमार ने टेलीविजन श्रृंखलाओं में से एक



फायरिंग के बाद एकनाथ शिंदे ने टाइगर श्रॉफ से की मुलाकात, घायल अभिनेता के हाथ और छाती पर दिखाई पड़ियां

विश्व केसरी ■
मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग किए जाने की घटना सामने आई है। टाइगर इस हमले में घायल हो गए हैं, हालांकि राहत की बात यह है कि वे सुरक्षित हैं। इस घटना में टाइगर के ड्राइवर फिरदौस सहित दो लोग भी घायल हुए हैं। फायरिंग की घटना के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टाइगर श्रॉफ से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। सामने आई तस्वीरों में टाइगर श्रॉफ, एकनाथ शिंदे के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। उनकी छाती पर पट्टी बंधी हुई है, जबकि बाएं हाथ पर भी चोट के कारण पट्टी लगी हुई नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आईएनएस से बातचीत में कहा, 'टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर है। वीडियो



देखने पर पता चला कि करीब पांच राउंड फायरिंग हुई, जिसमें उनका ड्राइवर घायल हो गया। भगवान की कृपा से टाइगर श्रॉफ बच गए, जो कि बहुत बड़ी राहत की बात है। हालांकि, इस तरह की

चिन्हेविस्टास (सुनील मेहता, प्रेम किशन) के साथ भी शुरुआत की थी। तब से उन्होंने जिंदगी, घुटन, साहित्य, मॉजिल, गुहस्ती और कथा सागर जैसी श्रृंखलाओं में भारतीय टेलीविजन उद्योग में एक स्टार के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने हिंदी, भोजपुरी और गुजराती टेलीविजन और फिल्म निर्माण में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया है। 'जंगल में मंगल' जैसी फिल्मों की रिलीज के बाद किरण कुमार के करियर में गिरावट आई और उन्होंने इस मंदी के बाद गुजराती फिल्मों में काम करना चुना। उन्होंने गुजराती फिल्म उद्योग में जल्दी ही प्रसिद्धि हासिल कर ली और उन्हें 'गुजराती सिनेमा का बच्चन' कहा जाने लगा। राकेश रोशन अपनी फिल्म 'खुदागर्ज' के साथ उन्हें हिंदी सिनेमा में वापस लाए, जिसके बाद उन्होंने 'तेजाब' और 'खुदा गवाह' जैसी फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाएं निभाईं। नकारात्मक भूमिकाओं में उनके अभिनय ने उन्हें कई पुरस्कार दिलाए।

हरकत की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। मैंने टाइगर श्रॉफ और उनके परिवार से बात की है। उनके ड्राइवर के दाहिने हाथ में चोट आई है। टाइगर का परिवार, खासकर उनकी मां इस घटना को लेकर बहुत चिंतित हैं और सोच रहे हैं कि आखिर किसी ने उन पर हमला क्यों किया, जबकि उनकी किसी से कोई इश्मनी या रंजिश नहीं है। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा लिए जाने की खबर सामने आई है। इस पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'चाहे इसमें कोई भी गैंग शामिल हो, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह मुंबई है। वे यहां फिर से गैंगवार को जिंदा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस और सरकार उनकी मनमानी या उनकी किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री और हम सभी ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने विजय देवरकोंडा के स्कूल का किया दौरा, बोलीं-मेरे दिल को बहुत सुकून मिला



विश्व केसरी ■
मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में पुट्टुपर्थी के एक स्कूल का दौरा किया। इस स्कूल में अभिनेता विजय देवरकोंडा ने अपने स्कूल के कुछ वर्ष बिताए थे। उन्होंने इस अनुभव को शांतिपूर्ण, सुंदर और दिव्य बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'एनिमल' फिल्म की अभिनेत्री ने अपनी इस यात्रा के बारे में एक दिल छू लेने वाला नोट साझा किया। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सालों में उन्होंने विजय के बचपन, स्कूली दिनों और दोस्तों के बारे में कई किस्से सुने थे लेकिन खुद उस जगह पर जाना अभी बाकी था। कई तस्वीरें साझा करते हुए रश्मिका ने लिखा, 'दोस्तों, मैं आप सभी के साथ अपना एक अनुभव साझा करना चाहती हूँ। इतने वर्षों से मैंने विजय के बचपन, उनकी पढ़ाई और स्कूली दिनों के बारे में बहुत सी बातें सुनी हैं, उनके सभी दोस्त स्कूल के समय के हैं और उन्होंने पुट्टुपर्थी में पढ़ाई की है। इसलिए मैं हमेशा उन्हें 'पर्थी बॉयज एंड गर्ल्स' कहकर बुलाती हूँ और अब वे मेरे भी बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि जैसे कोई पहली अधूरी रह गई हो, क्योंकि यह एक ऐसी जगह थी जिसे मैंने कभी देखा नहीं था या जहां मैं कभी गई नहीं थी, लेकिन इसके बारे में बहुत कुछ सुना था। आखिरकार, मुझे पुट्टुपर्थी जाने का एक बहुत ही सुंदर मौका मिला। मैंने वहां स्कूल देखा जहां उन्होंने पढ़ाई की थी, उनके क्लासरूम और हॉस्टल देखे। वहां मुझे कई प्यारे लोगों से मिलने का मौका मिला, जिनमें एचएम आंटी भी शामिल हैं, वो सच में बहुत ही प्यारी इंसान हैं! वहां जाकर मुझे जो शांति मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उस जगह में कुछ तो ऐसा था जिसने मेरे दिल को बहुत सुकून दिया... सब कुछ बहुत ही सुंदर और दिव्य लग रहा था।' मंदाना ने आगे कहा, 'मैं हमेशा सोचती थी कि विजय, आनंद और पुट्टुपर्थी के उन सभी दोस्तों में इतनी एक जैसी अच्छी बातें कैसे हैं और उनके परिवार के बाकी सदस्यों में भी! उनका स्वभाव, लोगों के साथ उनका (बर्ताव, प्यार और दयालुता में उनका विश्वास) जब मैं उनके स्कूल गई, तो मुझे समझ आया कि ये सब गुण कहां से आते हैं। बचपन में हम जिन जगहों पर बड़े होते हैं, जिन लोगों के साथ समय बिताते हैं और हमारे माता-पिता व शिक्षक हमें जो सीख देते हैं, वे सब हमारे व्यक्तित्व का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन जाते हैं। उन छोटे-छोटे बच्चों को इतनी श्रद्धा के साथ वेद और भजन गाते हुए देखना, उनके श्लोकों को जानना और पूरे दिल से उनका जाप करते हुए देखना, इसने मुझे सच में बहुत गहराई से छू लिया।

एमओएस मार्गेरिटा ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय प्रवासियों से की मुलाकात

विश्व केसरी■
ऑकलैंड। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने सोमवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय प्रवासियों से मुलाकात की।
ये सभी प्रवासी भारतीय नॉर्थ ईस्ट से संबंध रखते थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में भारतीय प्रवासियों के योगदान और दोनों देशों के बीच दोस्ती के रिश्तों को मजबूत करने में उनकी भूमिका को सराहा। इस मौके पर न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त मुआनपुई सैयावी और अन्य अधिकारी मौजूद थे।
मार्गेरिटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘ऑकलैंड में पूर्वोत्तर भारत के प्रवासी भारतीयों के साथ बहुत ही आत्मीय और सुखद बातचीत हुई। इस जीवंत समुदाय से जुड़कर खुशी हुई, जिनकी सांस्कृतिक समृद्धि और योगदान न्यूजीलैंड के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को और समृद्ध



बनाते हैं, तथा भारत और न्यूजीलैंड के बीच दोस्ती के गहरे रिश्तों को मजबूत करते हैं।’ उन्होंने आगे कहा, ‘इस बातचीत में समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा और दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों की चिंताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के प्रति उनकी

पर चर्चा हुई।
मार्गेरिटा और मिशेल के बीच यह बातचीत ऑकलैंड में ‘इंडिया न्यूजीलैंड बिजनेस काउंसिल’ (आईएनजेडबीसी) द्वारा आयोजित एक बिजनेस कार्यक्रम के दौरान हुई। मुलाकात के बाद, राज्य मंत्री मार्गेरिटा ने ‘एक्स’ पर लिखा: ‘ऑकलैंड की अपनी यात्रा के दौरान, ‘इंडिया न्यूजीलैंड बिजनेस काउंसिल’ द्वारा आयोजित एक बिजनेस कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के मंत्री मार्क मिशेल से मिलकर खुशी हुई। आपसी महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने और भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर मिला।’
इस बिजनेस बातचीत के दौरान, मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री मोदी के ‘5एफ’ फॉर्मूले—‘फार्म टू फाइवर’ (खेत से रेशा), ‘फाइवर टू फैक्ट्री’ (रेशे से कारखाना), ‘फैक्ट्री टू फैशन’ (कारखाने से फैशन), और ‘फैशन टू फरिन’ (फैशन से विदेश)—का जिक्र किया।

संक्षिप्त खबर ऑस्ट्रेलिया: दक्षिण-पश्चिम सिडनी को डराने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■
सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण-पश्चिमी सिडनी में आपराधिक गतिविधियों में लिस रहे शख्स को गिरफ्तार किया गया है। वाहन चुराता था और लूटपाट करता था। हाल ही में उसने कुछ ऐसा किया था जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई थी और कुछ घंटों के लिए लोकडाउन तक लगाया पड़ा था। पुलिस ने सोमवार को बताया कि रविवार रात करीब 11:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) सिडनी के इनर-वेस्ट इलाके में 32 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसको सात अपराधों में लिस पाया गया, इनमें बिना अनुमति के हथियार रखने और खतरनाक हथियार के बल पर लूटपाट करना शामिल है। समाचार एजेंसी सिंहुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार सुबह स्ट्रेल सिडनी से छह किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित डुलविच हिल में एक वाहन चोरी की सूचना मिलने के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। इसके बाद तीन ताकत चली तलाश के बाद यह गिरफ्तारी हुई। मौके पर मौजूद अधिकारियों को बताया गया कि एक व्यक्ति चोरी की गाड़ी के अंदर हथियार लिए हुए था। उसने कथित तौर पर गाड़ी में आग लगा दी और फिर पैदल ही वहां से चला गया।



राजस्थान के भीलवाड़ा में विस्फोटकों से भरी पिकअप में धमाका, चालक की मौत

विश्व केसरी■
जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के अगूचा गांव में विस्फोटकों से लदी एक पिकअप गाड़ी में हुए भीषण धमाके में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। यह विस्फोट सोमवार सुबह 11:30 बजे गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में हुआ। धमाका इतना तेज था कि पिकअप पूरी तरह नष्ट हो गई और पास की एक चारदीवारी मलबे में तब्दील हो गई। विस्फोट की तीव्रता को अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसका मलबा दूर-दूर तक बिखर गया। चालक का शव ढही हुई दीवार के मलबे के नीचे मिला। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 35 वर्षीय राम अवतार के रूप में हुई है, जो बूंदी का रहने वाला था। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और घटनास्थल पर पहुंच गए। विस्फोट के कारण आसपास 10 फीट दूर जाकर गिरा। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। मलबे के नीचे चालक का शव मिलने से घटना और भी गंभीर हो गई। गुलाबपुरा थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि विस्फोट स्थानीय निवासी हीरालाल खटिक के बाड़े में हुआ। विस्फोटकों से भरी पिकअप वहां खड़ी थी, तभी अचानक उसमें धमाका हो गया।



मध्य प्रदेश सरकार का स्वच्छता के अलावा रोजगार और सुविधाओं पर जोर : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■
उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य स्वच्छता के मामले में देश में पहले तीन स्थानों पर रहता है, इसके अलावा सरकार का जोर रोजगार और सुविधाओं पर भी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि स्वच्छता के मामले में तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का सबसे अच्छा उदाहरण मध्य प्रदेश है, हमारे यहां जब भी रैंकिंग जारी होती है तो हमारे राज्य के नगरों को बड़ी उपलब्धि हासिल होती है, नंबर वन, टू, थ्री तक हमारे राज्य के बाद ही किसी का नंबर आता है।
स्वच्छता तो होना ही चाहिए लेकिन स्वच्छता के अलावा रोजगार, मूलभूत



सुविधा, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित सभी क्षेत्रों में हमारी सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री यादव ने उज्जैन में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ केवल देश ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा मेला है। सिंहस्थ की मूल आवश्यकताओं को यहां आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा तथा

धार्मिक गतिविधियों को देखते हुए उज्जैन जिला और संभाग स्तर पर राज्य सरकार तैयारियां कर रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में जारी विकास कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महाकाल महालोक निर्माण और लोकार्पण के बाद यहां श्रद्धालुओं के आगमन में तेजी से वृद्धि हुई है। सिंहस्थ से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को लेकर अब हर माह बैठक कर प्रगति की रिपोर्ट ली जाएगी तथा कार्यों की समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सनातन धर्म की आस्था, सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है।

तमिलनाडु : सीएम विजय का मदुरंतकम और धारापुरम के लिए परियोजनाओं का ऐलान, 1439 करोड़ की पेयजल योजना शामिल

विश्व केसरी■
चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को मदुरंतकम और धारापुरम के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें 1,439 करोड़ रुपये की संयुक्त पेयजल योजना, सरकारी महिला कॉलेज, सिंचाई व्यवस्था में सुधार और आवास संबंधी पहल शामिल हैं। ये घोषणाएं हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनावों में ‘तमिलना वेन्नी कज़गम’ (टीवीके) के उम्मीदवारों मदुरंतकम से मरगथम कुमारवेल और धारापुरम से सत्यभामा की



जित के बाद की गई हैं। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने संबंधित विभागों को इन योजनाओं को 1,232 ऐसी ग्रामीण बस्तियों निर्देश दिया है। तिरुपुर जिले के लिए एक

थी। इस योजना के दायरे में धारापुरम, कांगेयम, कुंडादम, पोंगलुर और वेल्लाकोइल पिछले दो दशकों से रह रहे पंचायत यूनियन की बस्तियां आएंगी। इसके अलावा, मुला नूर की सात और पल्लादम की 17 पंचायतें भी इसमें शामिल होंगी। पूरे तिरुपुर जिले में सिंचाई जिले की कुल 2,455 ग्रामीण बस्तियों में से 1,223 बस्तियों को पहले से ही कावेरी संयुक्त पेयजल प्रणाली के जरिए पानी मिल रहा है। धारापुरम निर्वाचन क्षेत्र में बेचर लाभार्थियों को घर बनाने के लिए 2,700 पट्टे (जमीन के

अधिकार पत्र) मुफ्त दिए जाएंगे। इसके अलावा, चिन्नपुथुर गांव के गुरुवप्पा नाइकेनपालयम में पिछले दो दशकों से रह रहे लगभग 87 परिवारों को भी पट्टे दिए जाएंगे। धारापुरम निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 271 किलोमीटर लंबी नहरों से गाद (सिल्ट) निकालने और उनकी सफाई के लिए लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से 159 कार्य किए जाएंगे। धारापुरम निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 271 किलोमीटर लंबी नहरों से गाद, झाड़ियां और अन्य रुकावटें हटाई जाएंगी।

‘जनता बदलाव चाहती है, भविष्य की आवाज सुनिए’, फ्रांस हिंसा पर अराघची ने मैक्रों को घेरा

विश्व केसरी■
तेहरान। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि फ्रांस की जनता बड़े स्तर पर बदलाव चाहती है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खुद ही यह स्थिति पैदा की है। अराघची ने कहा कि ईरानियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का स्वागत करने वाले राष्ट्रपति को अब फ्रांस के भविष्य की आवाज सुननी पड़ेगी।



अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पोस्ट पर लिखा, ‘मैक्रों ने खुद ही यह स्थिति पैदा की थी, जब उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को भरोसा दिलाया कि उन्हें ईरानियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर कोई आपत्ति नहीं है। अब उस युद्ध के लिए दूसरों को दोष देने में बहुत देर हो चुकी है, जिसे उनके जैसे लोगों ने पैदा करने में मदद की थी। फ्रांस की जनता बड़े स्तर पर बदलाव चाहती है, जिसमें शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने और अपनी बात रखने की आजादी भी शामिल है। मिस्टर राष्ट्रपति, फ्रांस के भविष्य की आवाज को सुनिए।’
ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची का यह बयान उस समय आया है जब फ्रांस के कई शहरों में प्रदर्शन, हिंसा और झड़पों से माहौल गरमाया हुआ है। फ्रांस में महंगाई, ईंधन की कीमतें, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं को लेकर लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है।
शनिवार को पूरे फ्रांस में करीब साढ़े पांच लाख लोग प्रदर्शनों में शामिल हुए। कई जगहों पर प्रदर्शन

हिंसक हो गए। फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक, इन घटनाओं के दौरान 2,397 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हिंसा में 997 पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल के सदस्य घायल हुए, जिनमें से सात की हालत गंभीर बताई गई है।
स्थानीय मीडिया के अनुसार, इन प्रदर्शनों में किसान, जलवायु कार्यकर्ता, ट्रेड यूनियन सदस्य और छात्र शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने ईंधन की कीमतों, बढ़ती महंगाई, शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े मुद्दे उठाए।

जापान उगते सूर्य का देश है और गुजरात उभरते अवसरों की भूमि : हर्ष संघवी

विश्व केसरी■
गांधीनगर। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट अंतर्गत जापान यात्रा पर गए राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोमवार को ओसाका में जापान के अग्रणी उद्योगपतियों तथा निवेशकों के साथ एक उच्च स्तरीय ‘इन्वेस्ट इन गुजरात’ राउंडटेबल बैठक आयोजित की। गुजरात तथा जापान के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और परस्पर समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी को अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया गया।



राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस में उपस्थित वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी तथा सरदार पटेल की भूमि गुजरात की ओर से उनका हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जापान उगते सूर्य का देश है और गुजरात उभरते अवसरों की भूमि है। भारत एवं जापान के बीच केवल व्यापारिक संबंध ही नहीं हैं, बल्कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सम्मान और मूल्यों के साथ-साथ साझा संस्कृति भी रखते हैं। दोनों देशों की मित्रता सदियों पुरानी है और आज हमारे सामने विकास के

असीमित नए अवसर उपलब्ध हैं। गुजरात की आर्थिक क्षमता एवं औद्योगिक गतिशीलता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि देश की केवल 5 प्रतिशत जनसंख्या वाला गुजरात भारत की जीडीपी में 8 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में गुजरात की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत है, जबकि भारत के कुल निर्यात का लगभग एक-तिहाई (1/3) निर्यात अकेले गुजरात से होता है। इसके अतिरिक्त, भारत के कुल कारगों हैंडलिंग का 40 प्रतिशत हिस्सा गुजरात के बंदरगाहों के माध्यम से संचालित होता है और राज्य की 65 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

सांबा में ड्रैगन फ्रूट की खेती से किसानों को हो रहा अच्छा मुनाफा, बलदेव राज बने प्रेरणा

विश्व केसरी■
सांबा। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में किसान अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ नकदी फसलों और बागवानी को भी अपना रहे हैं। इसी कड़ी में विजयपुर क्षेत्र के किसान बलदेव राज ड्रैगन फ्रूट और स्ट्रॉबेरी की खेती कर अच्छी आमदनी अर्जित कर रहे हैं। उनकी इस प्रेरणा से क्षेत्र के अन्य किसान भी प्रेरित हो रहे हैं और ड्रैगन फ्रूट की खेती के प्रति उनकी रुचि बढ़ रही है।



किसान बलदेव राज ने जम्मू-कश्मीर में ड्रैगन फ्रूट की खेती को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की थी। उनके इस प्रयास के लिए उपरज्यपाल द्वारा उन्हें आय सम्मानित भी किया जा चुका है। वह पिछले कई वर्षों से ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी और पारंपरिक फसलों की खेती कर रहे हैं। उनकी सफलता को देखते हुए अब आसपास के किसान भी इस नई फसल को अपनाने के

लिए आगे आ रहे हैं। क्षेत्र के कई किसान बलदेव राज के खेतों में पहुंचकर ड्रैगन फ्रूट की खेती करने की विधि सीखते हैं और इससे जुड़ी तकनीकी जानकारी प्राप्त करते हैं। बलदेव राज भी अन्य किसानों को इस फसल की खेती के बारे में जानकारी देकर उन्हें आय बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका मानना है कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ अन्य फसलों की खेती में भी रुचि लेनी चाहिए, ताकि आमदनी के नए स्रोत विकसित किए जा सकें।

किसान बलदेव राज ने समाचार एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए बताया कि खेती के दौरान उन्हें बागवानी विभाग का पूरा सहयोग मिलता है। किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर विभाग की टीम खेतों में पहुंचकर किसानों को मार्गदर्शन देती है। इसके अलावा, वह सरकार की ओर से किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का भी लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने किसान हित में योजनाएं शुरू करने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

RAIPUR

SMART BUSINESS

**GST
ITR**

**फाइल बनवाएं
मात्र 500/-**

25 वर्ष का अनुभव

- CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्टें
- फूड लाइसेंस Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: **शेखर गुप्ता**

C-74, सेक्टर- 1, जुबैस्ता होस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

RIFCO Tax Consultants

Whatsaap पर बनवाएं

9300755544, 8878655544

**Sai Care Hospital**

श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

आपके स्वास्थ्य का भरोसा...

महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी
समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

मेडिसिन विभाग
डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine/Diabetic & Geriatric Care)

उपचारावधि सेवाएँ:
• हायपरटेंशन (माथे) उपचार
• हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप)
• श्वसनिक विकार
• हार्ड डिजोज (हृदय संबंधी समस्याएं)
• डिप्थीरिया
• फेफड़ों की समस्याएं (आसमा, COPD)
• बुखार व संक्रमण (सायरस, टायफाइड)
• पेच रोग (पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस)
• सामान्य रोगों की जांच व उपचार
• न्यूरोलॉजिकल समस्या (हिरन दर्द, स्टेर आदि)

जनरल सर्जरी विभाग
डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(MS. General Surgery)

उपचारावधि सेवाएँ:
• पित्तपथ (बिलीरुबीन) का ऑपरेशन
• फिस्स और फिस्टुला का उपचार
• हृदय सर्जरी (हृदयफल / कोमोलेट / हार्ट डिजोज)
• एपेंडिसाइटिस (आसमा, COPD)
• गैंगलीन कटौती (गैंगलीन का ऑपरेशन)
• वेस्ट सर्जरी / ट्यूबर सर्जरी
• फिस्स और फिस्टुला (फिस्स, फिस्टुला)
• हाइड्रोसेल / वरिक्कोसेल सर्जरी
• लिवर एवं स्प्लीन की शल्यक्रिया में साहजिक का इस्तेमाल

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

उपचारावधि सेवाएँ:
• कोलोरेक्टल कैंसर
• टायपेटिक कैंसर
• डायग्नोस्टिक कैंसर
• हार्मोनल कैंसर
• विभिन्न कैंसरों का उपचार
• कैंसर की जांच व निदान

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर
आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न जीवन बचा सकता है।

शिविर सेवाएँ:
• डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine/Diabetic & Geriatric Care)
• डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)
• डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(MS. General Surgery)

आपका स्वास्थ्य:
• Breast Thermography Screening Test
• सामान्य स्वास्थ्य परीक्षा
• डिग्लूकोस रक्त परीक्षा
• फ्री कैंसर जांच एवं आसमा परीक्षा

कैंसर जांच सेवाएँ:
• Prostate Cancer Test
• PSA पर परीक्षा से जीवन
• फ्री कैंसर जांच
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच

हमारी सुविधाएँ:
• 24 घंटे अग्रिम सलाह
• सभी उपचार 20 दिनों में
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच

हमारी सुविधाएँ:
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच
• फ्री कैंसर जांच एवं फ्री कैंसर जांच

श्री साई केयर हॉस्पिटल
शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
एक स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं, आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी गति है।

0771-4020089
96300-67422

एके-47 थामने वाले हाथों ने थामी डांडिया की छड़ियां

सुकमा पुलिस लाइन में गरबा-डांडिया, नक्सल मोर्चे पर डटी दुर्गा फाइटर्स' और पुलिस परिवारों ने बिखेरे सांस्कृतिक के रंग

विश्व केसरी ■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। जिन हाथों में एके-47 जैसे घातक हथियार गरजते दिखते हैं, उन कोमल हाथों में डांडिया की छड़ियां खनकती नजर आती हैं। न कोई छोटा, न कोई बड़ा, सब बराबर नजर आ रहे थे। पूरा वातावरण आत्मीयता से भरा नजर आ रहा है। आईएस, आईपीएस अधिकारी भी मातहत कर्मियों के साथ गरबा डांडिया खेलते नजर आए। महिला कर्मांडो दुर्गा वाहिनी की सदस्याओं की थिंकन दिल जीतने वाली थी।

बेहद नक्सल प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्र रहे सुकमा में कानून-व्यवस्था व आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर सदैव मुहूर्त रहने वाली पुलिस टीम के मनोबल और पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 17 अक्टूबर को पुलिस लाइन सुकमा में पहली बार भव्य गरबा-डांडिया महोत्सव का सफल आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक सुकमा मयंक गुर्जर (आईपीएस) की

विशेष पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कठिन व चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दिन-रात कर्तव्य पर डटे रहने वाले जवानों, विशेषकर महिला कर्मांडो और उनके परिवारों को मानसिक सुकून, सकारात्मक ऊर्जा और आपसी मेलजोल का साझा मंच प्रदान करना रहा। घने प्रति यह उत्साह पूर्व कार्यक्रम का एके-47 थामकर नक्सल मोर्चों

पर अदम्य साहस का परिचय देने वाली सुकमा पुलिस की विशेष इकाई 'दुर्गा फाइटर्स' की महिला कर्मांडो ने आयोजन के दौरान डांडिया की छड़ियों के साथ कदम से कदम मिलाए। अदम्य साहस और अनुशासन के साथ-साथ जांबाज महिला जवानों का पारंपरिक नृत्य एवं संस्कृति के प्रति यह उत्साह पूर्व कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा।

प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। महोत्सव के दौरान सुकमा कलेक्टर अमित कुमार (आईएस), सीआरपीएफ के डीआईजी आनंद सिंह तथा पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर (आईपीएस) सपरिवार उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने परिजनों के साथ गरबा-डांडिया के उत्साह में हिस्सा लेकर प्रतिभागियों की प्रतिभा और ऊर्जा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अधिकारियों व उनके परिवारों का आत्मीय मौजूदगी ने जवानों और उनके परिजनों में नए उत्साह का संचार किया।

पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस बल की ड्यूटी स्वाभाविक: बहुत ज्यादा तनावपूर्ण और जोखिम भरी होती है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन जवानों के जीवन में नई ऊर्जा और संतुलन लाते हैं। यह आयोजन इस बात का सशक्त प्रमाण है कि वरिष्ठ के बड़े अनुशासन के भीतर भी भारतीय संस्कृति, उमंग और मानवीय संवेदनाएं पूरी तरह जीवंत हैं।

शहीद परिवारों की सहभागिता

आयोजन में पुलिस परिवारों के साथ-साथ जिले के वीर शहीद जवानों के परिवारों की माताओं, बहनों व बच्चों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। शहीद परिवारों की सहभागिता ने आयोजन को आत्मीय और भावुक स्वरूप दिया। इस दौरान विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं और बच्चों ने पारंपरिक गरबा वेशभूषा में मनमोहक

जनता से लगातार संपर्क में रहें कार्यकर्ता : कर्मवीर सिंह

विश्व केसरी ■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह नव दायित्व संभालने के बाद रविवार को प्रथम बस्तर प्रवास पर पहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम दत्तेवाड़ा शक्तिपीठ में बस्तर की आराध्य देवी मां दत्तेश्वरी के दर्शन पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

संभाग मुख्यालय जगदलपुर के भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश संगठन महामंत्री सिंह का जोशीला व आत्मीय स्वागत किया। यहां हुई परिचयात्मक बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया और जनता से अधिक से अधिक संपर्क स्थापित करने कहा। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिंह ने कहा कि बस्तर बहुत विशेष है। वर्तमान में देश काल में जैसी परिस्थितियां जानबूझकर कर निर्मित करने प्रयास रहे जा रहे हैं, सभी भाजपा कार्यकर्ता हर क्षेत्र में जनता से सीधे जुड़कर संपर्क बनाएं। युवाओं से अधिक से अधिक संपर्क करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा व जन सेवा सर्वोपरि है।

संगठन को सशक्त बनाने सतत सक्रियता और विचारों का प्रवाह आवश्यक है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बस्तर सांसद महेश कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडेय, पूर्व विधायक डॉ. सुभाष कश्यप, संतोष बाफना, ब्रेवरेज कापूरेशन अध्यक्ष श्रीनिवास राव मदी, प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय, महापौर संजय पांडेय, जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्रही, परिस राम बेसरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडवी, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, योगेंद्र पांडेय, जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह आदि, नरसिंह राव, लखीधर बघेल, रोहित त्रिवेदी, फूलसिंह सेठिया, किरण सेन, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, मोहेश्वरी ठाकुर, आभिलाष यादव, विनय सोना, बी. जयराम, ममता राणा आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परसोंदा में तीन टीन शेड का हुआ लोकार्पण

विश्व केसरी ■

चारामा (संदीप मेथ्राम)। जनपद पंचायत चारामा अंतर्गत ग्राम परसोंदा में तीन टीन शेड का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद कुमार ओझा शामिल हुए। वहीं विशेष अतिथि के रूप में युवा मोर्चा महामंत्री प्रियेश सेन, संजय सिंह एवं हरीश मेहता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नंद कुमार ओझा ने शासन द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों से लोगों

को सुविधाएं मिलती हैं और सार्वजनिक आयोजनों के लिए टीन शेड उपयोगी साबित होते हैं। लोकार्पण समारोहों में ग्राम पंचायत के सरपंच दशरथ सिंह कैमरे, तिजाऊ साहू, भीकम साहू, नरेंद्र साहू, हेमलाल निषाद, फूल सिंह साहू, तामेश्वर, सोहन साहू, चंदन नागवंशी, गुरु शरण साहू, पन्ना साहू, पुनम साहू, कांति, भानुबाई विश्वकर्मा, चंचा साहू, डीके साहू, अंबिका पिढा, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दुर्गूकोंदल में नवजोत मां दुर्गा उत्सव समिति का अष्टमी-नवमी हवन-पूजन हुआ

विश्व केसरी ■

दुर्गूकोंदल (सीताराम शर्मा)। नवजोत मां दुर्गा उत्सव समिति दुर्गूकोंदल के तत्वावधान में शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय मां दुर्गा उत्सव के अंतिम अष्टमी एवं महानवमी के पावन अवसर पर विशेष हवन-पूजन संपन्न हुआ। दुर्गा पंडाल में पंडित लक्ष्मी त्रिवेदी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक हवन एवं पूजा-अर्चना कराई गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने माता रानी के समक्ष क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ हवन-पूजन

नवरात्रि के दौरान 11 अक्टूबर से मां दुर्गा की स्थापना कर प्रतिदिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही थी। नौ दिनों तक दुर्गा पंडाल में भजन-कीर्तन, रामायण पाठ, जसगीत सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अष्टमी एवं महानवमी के अवसर पर आयोजित हवन-पूजन में समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों और श्रद्धालुओं ने

आहुतियां अर्पित कर माता से परिवार एवं क्षेत्र की मंगलकामना की। इसके पश्चात नौ कन्याओं का विधिवत पूजन किया गया तथा भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

समिति के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

हवन-पूजन कार्यक्रम में नवजोत मां दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष सोमल जैन, नरेंद्र जैन, अमित कर्नौजिया, दीपक सेन, ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती शकुंतला नरेटी, संरक्षक मुन्ना सिंह, विनोद पाख, लालजी दुर्गा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाते हुए नवरात्र पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।

चारामा में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ निकली मनोकामना ज्योति कलश विसर्जन शोभायात्रा

विश्व केसरी ■

चारामा (संदीप मेथ्राम)। नगर में मां शीतला के प्रति आस्था और श्रद्धा का अनुभूत दृश्य देखने को मिला। शीतला माता मंदिर में प्रज्वलित मनोकामना ज्योति कलशों का विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ विसर्जन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर से शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए देवी स्थल स्थित डाबरी माता तालाब पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ मनोकामना ज्योति कलशों का विसर्जन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान समाज के अधिकारी एवं कर्मचारी धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिला।

इस धार्मिक आयोजन में शीतला माता मंदिर के पदाधिकारी, वार्डवासी, नगरवासी, पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पत्रकार साथी उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन में सहभागिता

नवरात्रि पर भद्राकाली माता मंदिर में उमड़ रहे श्रद्धालु

विश्व केसरी ■

बीजापुर (नवीन दुर्गा)। क्षेत्र में नक्सलवाद के प्रभाव में कमी और शांति का वातावरण स्थापित होने के साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी सकारात्मक बदलाव के बीच प्रसिद्ध भद्राकाली माता मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही में वृद्धि देखने को मिल रही है। नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बीजापुर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। मंदिर में शांति एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। इससे मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को सुगम एवं व्यवस्थित तरीके से दर्शन करने में सहायता मिल रही है।

शांति और सुरक्षा से बढ़ रहा लोगों का विश्वास

क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण मजबूत होने से धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों पर लोगों का विश्वास बढ़ना एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भद्राकाली माता मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की उपस्थिति क्षेत्र में लौटते विश्वास और सामान्य जनजीवन की मजबूती को भी दर्शाती है।

सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना भद्राकाली के पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। जवान मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रख रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके और दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। वहीं, मंदिर समिति द्वारा भी श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में

श्रद्धा-भक्ति में दिखे कलेक्टर छिकारा, जूनियर छिकारा के साथ किया फूल परिक्रमा का दीदार

विश्व केसरी ■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। नक्सल मुक्त हो चुके आस्था और धर्म प्रभावना की दिलकश बयार देखने को मिल रही। जिले के टॉप ऑफिसर्स भी आस्था और श्रद्धा भक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। जगदलपुर स्थित माई दत्तेश्वरी की पूजा करने बच्चे व पत्नी संग पहुंचे पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा की भक्ति भावना हम पहले ही देख चुके हैं। अब बस्तर दशहरा की फूल परिक्रमा के अवसर पर बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा भी अपने बेटे जूनियर छिकारा के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा जूनियर छिकारा को गोद में लेकर पहुंचे थे। उन्होंने श्रद्धालुओं को भीड़ के बीच खड़े होकर पूजा अर्चना की और फूल रथ के दर्शन किए। जूनियर छिकारा कौतूहल भरी नजरों से रंग बिरंगी सजावट का दीदार करते नजर आए, जबकि डीएम आकाश छिकारा मुस्कुराते हुए खड़े नजर आए। उनके साथ जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना और कई अन्य अधिकारी भी पहुंचे थे, मगर कहीं भी वीआईपी कल्चर जैसा दृश्य देखने को नहीं मिला। छिकारा व अन्य अधिकारी बस्तरिहा पागा पहने आम आदिवासियों के बीच खड़े रहे। न पद का घमंड और न रुतबे का रौब। कई श्रद्धालुओं ने कलेक्टर श्री छिकारा के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं हजारों लोगों की भीड़ में

माई दत्तेश्वरी के जयकारे के बीच कलेक्टर बस्तर आकाश छिकारा आम लोगों की तरह उपस्थित होकर कार्यक्रम देखते रहे। उल्लेखनीय है कि बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद इस बार कई राज्यों से पुजारी, भक्त और पर्यटक काफी संख्या में जगदलपुर पहुंच कर इस विश्व प्रसिद्ध दशहरे का अवलोकन कर रहे हैं। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने अपने प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के साथ मिलकर इस बस्तर दशहरा की सफल बनाने का पूरा प्रयास किया है। आज नवमी के दिन कलेक्टर आकाश छिकारा ने सपत्नीक दत्तेश्वरी मंदिर पहुंच कर हवन में सहभागिता दर्ज कराई। मंदिर परिसर में उपस्थित लोगों ने

कलेक्टर की आम आदमी की तरह उपस्थिति को काफी सराहा। लोगों की प्रतिक्रिया थी कि जिले के बड़े अधिकारी किसी न किसी बहाने अगर जनता से मेल जोल रखेंगे तो क्षेत्र में प्रशासनिक कसावट तो आएगी ही, लोगों की सरकारी योजनाओं का लाभ भी अच्छे से मिलेगा।

पदयात्रियों की सेवा में जुटे पुलिसकर्मी

सुशासन सरकार में इस बार प्रशासनिक व्यवस्था का पूरा तरह मुस्तैद होकर काम कर रही है। माई दत्तेश्वरी के दर्शन करने दत्तेवाड़ा जाने वाले पदयात्रियों के लिए परपा थाना पुलिस ने केसल पुलिस चौकी के समीप शुद्ध जल और नीबू शरबत पिलाने की व्यवस्था की है।

ग्राम सिवनी में नवरात्रि पर्व का समापन

विश्व केसरी ■

दुर्गूकोंदल (सीताराम शर्मा)। विकासखंड दुर्गूकोंदल अंतर्गत ग्राम सिवनी में शारदीय नवरात्रि पर्व के समापन अवसर पर सोमवार, 19 अक्टूबर को माता रानी की चार ज्योती का शीतलीकरण विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में महिला, पुरुष, बुजुर्गों और युवाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा।

चार ज्योती का पारंपरिक विधि से शीतलीकरण

ग्राम सिवनी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि के दौरान माता रानी की चार ज्योती प्रज्वलित की गई थी। चार ज्योती का समाप्ति के पश्चात निर्धारित धार्मिक परंपरा के अनुसार इन ज्योती को शांत किया गया। कार्यकर्ता को शुरुआत पूजा-अर्चना और प्रार्थना के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने माता रानी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए नौ दिनों तक निर्विघ्न पूजा संपन्न होने पर आभार प्रकट किया। पुजारी एवं वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में ज्योत शीतलीकरण की धार्मिक प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भागीरथा तथा कलश एवं पूजा सामग्री को निर्धारित धार्मिक स्थल तक ले जाने की परंपरा निभाई।